NCERT Series

दृष्टि
The Vision

NCERT

THROUGH QUESTIONS

भारतीय राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था

कक्षा 8 से 12 तक की एनसीईआरटी
का अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का व्याख्या सहित हल

Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

Quick Book श्रृंखला की पुस्तकें

NCERT श्रृंखला की पुस्तकें

विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें 8448485516, 87501-87501, 011-47532596

भारतीय राजव्यवस्था एवं अर्थव्यवस्था

दृष्टि पब्लिकेशन्स
641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501

Website:
www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail :
booksteam@groupdrishti.com

प्रथम संस्करण- नवंबर 2019

मूल्य : ₹ 150

प्रकाशक

दृष्टि पब्लिकेशन्स,
(A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.)
641, प्रथम तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

✸ इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।

✸ हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।

✸ सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।

✸ **© कॉपीराइट :** दृष्टि पब्लिकेशन्स (A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।

✸ एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

सिविल सेवा में जाने की इच्छा रखने वाले हर विद्यार्थी का शुरुआती मन इस दुविधा से जूझता ही है कि यात्रा का प्रारंभ किस प्रकार किया जाए? सबसे पहले किन पुस्तकों को पढ़ा जाए और किसे छोड़ा जाए, यह द्वंद्व विद्यार्थियों के समक्ष उपस्थित रहता है। ऐसा होना स्वाभाविक भी है क्योंकि सिविल सेवा का पाठ्यक्रम इतना विस्तृत है कि अगर गलत दिशा में तैयारी शुरू हो गई तो इसे तैयार कर पाना असंभव है। इसलिये इस विस्तृत पाठ्यक्रम को तैयार करने का सिरा कहाँ से खुलता है, इसकी सटीक पहचान करना आवश्यक है, तभी क्रमश: अंतिम सिरे तक पहुँचा जा सकता है। प्रस्तुत पुस्तक उसी प्रारंभिक सिरे की खोज की एक कोशिश है जहाँ से आप अपनी तैयारी की शुरुआत कर सकते हैं; अर्थात् यह आपके लिये एक आधार पुस्तक का कार्य करेगी।

अब अगर हम इस प्रश्न पर विचार करें कि आखिर किन कसौटियों पर किसी पुस्तक को आधार पुस्तक माना जाए तो इसका सरल सा जवाब यह है कि जो विशुद्ध रूप से आपके पाठ्यक्रम से जुड़ा हो, जिसमें अवधारणात्मक स्पष्टता हो, तथ्यों की प्रामाणिकता हो, जिसे श्रेष्ठ अकादमिक विद्वानों द्वारा तैयार किया गया हो, जिसमें पाठ के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करने की शक्ति हो और जिसे स्वयं आयोग भी मानक पुस्तक के रूप में स्वीकार करता हो। इन सब विशेषताओं को एक साथ एनसीईआरटी की पुस्तकों में देखा जा सकता है। एनसीईआरटी की पुस्तकें न केवल बुनियादी अवधारणाओं व तथ्यों से हमारा परिचय कराती हैं बल्कि इनमें ज्ञान के विस्तार के बीज भी छिपे होते हैं; अर्थात् यदि इन पुस्तकों को ठीक से तैयार कर लिया जाए तो परस्पर क्रमबद्धता के कारण आगे की तैयारी आसान हो जाती है। इतना ही नहीं कई बार तो सीधे एनसीईआरटी की पुस्तकों से ही सवाल पूछ लिये जाते हैं। ऐसे में इन पुस्तकों के महत्त्व पर तो कोई संशय है ही नहीं किंतु आपके मन में यह सवाल ज़रूर उठता होगा कि जब एनसीईआरटी की पुस्तकें सहज रूप से उपलब्ध हैं तो इस पर आधारित कोई अन्य पुस्तक क्यों पढ़ी जाए? आइये, इस पर विचार करते हैं।

सबसे पहले हम आपको इस पुस्तक की विषयवस्तु से अवगत कराएँ कि प्रश्नोत्तर शैली में तैयार की गई इस पुस्तक में राजनीति विज्ञान की कक्षा VIII से XII तक तथा अर्थव्यवस्था की कक्षा IX से XII तक की समस्त एनसीईआरटी पुस्तकों को शामिल किया गया है। इसमें प्रत्येक अध्याय पर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों तथा व्याख्या सहित उनके उत्तरों को समाहित किया गया है। यहीं यह स्पष्ट कर देना भी आवश्यक होगा कि हमने पुस्तक में उन अध्यायों को शामिल नहीं किया है जो प्रारंभिक परीक्षा के लिहाज़ से अनुपयोगी हैं। इस प्रकार राजनीति विज्ञान की कक्षा-IX के अध्याय-1 (लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?), कक्षा-X के इकाई-II के अध्याय-3 (लोकतंत्र और विविधता) व इकाई-IV के अध्याय-8 (लोकतंत्र की चुनौतियाँ) तथा कक्षा-XI के अध्याय-I (राजनीतिक सिद्धांत-एक परिचय) को प्रस्तुत पुस्तक में शामिल नहीं किया गया है। साथ ही अर्थशास्त्र की कक्षा-XII की पाठ्यपुस्तक 'व्यष्टि अर्थशास्त्र : एक परिचय' को भी शामिल नहीं किया गया है। अब 'यही पुस्तक क्यों?' पर विचार करें तो इसकी कई वजहें नज़र आती हैं।

सबसे पहली वजह तो यही है कि एनसीईआरटी की पुस्तकें अपने स्वरूप में इतनी सघन होती हैं कि उसके मूल पाठ को उसी रूप में ग्रहण कर पाना कठिन होता है। इसलिये हमने प्रत्येक अध्याय को प्रश्नों के रूप में विभाजित कर आपके समक्ष प्रस्तुत किया है ताकि आपको पाठ ग्रहण करने में आसानी हो। फिर कई बार ऐसा होता है कि हम पूरी किताब पढ़ जाते हैं किंतु परीक्षा की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हिस्सों पर ठीक से ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। यही वजह है कि पढ़े हुए अध्याय से प्रश्न आने पर भी हम उसे गलत कर बैठते हैं। प्रस्तुत पुस्तक में हमने आपकी इसी मुश्किल का हल तलाशने की कोशिश की है तथा परीक्षोपयोगी तथ्यों पर विशेष रूप से फोकस किया है। इसके अतिरिक्त आप प्रस्तुत पुस्तक के माध्यम से वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने की तकनीक से भी परिचित हो सकेंगे कि कैसे एक-से लगने वाले विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव किया जाए। इस तकनीक का अभ्यास प्रारंभिक परीक्षा में आपको निर्णायक मदद पहुँचा सकेगा। साथ ही व्याख्या के क्रम में हमने उन परीक्षोपयोगी सामग्रियों को भी शामिल कर लिया है जिनका किसी कारणवश एनसीईआरटी की पुस्तकों में उल्लेख नहीं था। इससे आपकी जानकारी और समृद्ध होगी। सबसे बढ़कर 150 पृष्ठों वाली इस पुस्तक को आप बार-बार रिवाइज़ कर सकते हैं जबकि इसके मूल पाठ के साथ ऐसा करना काफी समयसाध्य होगा। इस प्रकार यह पुस्तक आपके लिये कई मायनों में उपयोगी है।

अत: आप निश्चिंत होकर इस पुस्तक को पढ़ें तथा अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराएँ। अगर आपको हमारा प्रयास अच्छा लगा हो तो हमें बताएँ। इससे हमारा उत्साह बढ़ता है तथा हम और अच्छा करने के लिये प्रेरित होते हैं। पुस्तक में कोई कमी दिखे तो भी हमसे साझा करें। यह हमारे लिये मार्गदर्शक का कार्य करेगा। **आप अपनी राय हम तक '8130392355' नंबर पर वाट्सएप मैसेज के माध्यम से पहुँचा सकते हैं।**

साभार,
प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

राजव्यवस्था

कक्षा–VIII : सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन–III 1-12

◆ इकाई–I : भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता
1. भारतीय संविधान
2. धर्मनिरपेक्षता की समझ

◆ इकाई–II : संसद तथा कानूनों का निर्माण
3. हमें संसद क्यों चाहिये?
4. कानूनों की समझ

◆ इकाई–III : न्यायपालिका
5. न्यायपालिका
6. हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली

◆ इकाई–IV : सामाजिक न्याय और हाशिये की आवाज़ें
7. हाशियाकरण की समझ
8. हाशियाकरण से निपटना

◆ इकाई–V : आर्थिक क्षेत्र में सरकार की भूमिका
9. जनसुविधाएँ
10. कानून और सामाजिक न्याय

कक्षा–IX : लोकतांत्रिक राजनीति–I 13-23

1. लोकतंत्र क्या? लोकतंत्र क्यों?
2. संविधान निर्माण
3. चुनावी राजनीति
4. संस्थाओं का कामकाज
5. लोकतांत्रिक अधिकार

कक्षा–X : लोकतांत्रिक राजनीति–II 24-27

◆ इकाई–I
1. सत्ता की साझेदारी 2. संघवाद

◆ इकाई–II
3. लोकतंत्र और विविधता
4. जाति, धर्म और लैंगिक मसले

◆ इकाई–III
5. जन-संघर्ष और आंदोलन
6. राजनीतिक दल

◆ इकाई–IV
7. लोकतंत्र के परिणाम 8. लोकतंत्र की चुनौतियाँ

कक्षा–XI : राजनीतिक सिद्धांत
कक्षा–XI : भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार 28-72

◆ राजनीतिक सिद्धांत
1. राजनीतिक सिद्धांत : एक परिचय
2. स्वतंत्रता
3. समानता
4. सामाजिक न्याय
5. अधिकार
6. नागरिकता
7. राष्ट्रवाद
8. धर्मनिरपेक्षता
9. शांति
10. विकास

◆ भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार

1. संविधान - क्यों और कैसे?
2. भारतीय संविधान में अधिकार
3. चुनाव और प्रतिनिधित्व
4. कार्यपालिका
5. विधायिका
6. न्यायपालिका
7. संघवाद
8. स्थानीय शासन
9. संविधान-एक जीवंत दस्तावेज़
10. संविधान का राजनीतिक दर्शन

कक्षा–XII : स्वतंत्र भारत में राजनीति **73-97**

1. राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ
2. एक दल के प्रभुत्व का दौर
3. नियोजित विकास की राजनीति
4. भारत के विदेश संबंध
5. कॉन्ग्रेस प्रणाली : चुनौतियाँ और पुनर्स्थापना
6. लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकट
7. जन आंदोलनों का उदय
8. क्षेत्रीय आकांक्षाएँ
9. भारतीय राजनीति : नए बदलाव

अर्थव्यवस्था

कक्षा–IX : अर्थशास्त्र **99-103**

1. पालमपुर गाँव की कहानी
2. संसाधन के रूप में लोग
3. निर्धनता : एक चुनौती
4. भारत में खाद्य सुरक्षा

कक्षा–X : आर्थिक विकास की समझ **104-108**

1. विकास
2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक
3. मुद्रा और साख
4. वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था
5. उपभोक्ता अधिकार

कक्षा–XI : भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास **109-133**

◆ इकाई–I : विकास नीतियाँ और अनुभव (1947–90)

1. स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था
2. भारतीय अर्थव्यवस्था (1950-90)

◆ इकाई–II : आर्थिक सुधार 1991 से

3. उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण : एक समीक्षा

◆ इकाई–III : भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान चुनौतियाँ

4. निर्धनता
5. भारत में मानव पूंजी का निर्माण
6. ग्रामीण विकास
7. रोज़गार-संवृद्धि, अनौपचारीकरण एवं अन्य मुद्दे
8. आधारिक संरचना
9. पर्यावरण और धारणीय विकास

◆ इकाई–IV : भारत और इसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव

10. भारत और इसके पड़ोसी देशों के तुलनात्मक विकास अनुभव

कक्षा–XII : समष्टि अर्थशास्त्र : एक परिचय **134-146**

1. परिचय
2. राष्ट्रीय आय का लेखांकन
3. मुद्रा और बैंकिंग
4. आय निर्धारण
5. सरकारी बजट एवं अर्थव्यवस्था
6. खुली अर्थव्यवस्था : समष्टि अर्थशास्त्र

राजव्यवस्था

खंड-1

सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन-III

कक्षा VIII

इकाई-I : भारतीय संविधान और धर्मनिरपेक्षता

1. भारतीय संविधान

1. संविधान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. जिन देशों के पास अपना संविधान होता है वे सभी लोकतांत्रिक देश होते हैं।
2. संविधान समाज के मूलभूत स्वरूप का निर्धारण करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)
व्याख्या : यह आवश्यक नहीं है कि जिन देशों के पास अपना संविधान होता है वे सभी लोकतांत्रिक देश होते हैं, उदाहरण- चीन, वेनेजुएला आदि। अत: कथन 1 गलत है। संविधान उन आदर्शों को सूत्रबद्ध करता है जिनके आधार पर नागरिक अपने देश को अपनी इच्छा व सपनों के अनुसार रच सकता है। अत: केवल विकल्प 2 सही है।

2. संविधान सभा के गठन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने संविधान सभा के गठन की मांग को पहली बार अपनी अधिकृत नीति में शामिल किया।
2. भारत में संविधान सभा का गठन दिसंबर 1946 में किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने संविधान सभा के गठन की मांग को पहली बार अपनी अधिकृत नीति में शामिल किया। दिसंबर 1946 से नवंबर 1949 के बीच संविधान सभा ने स्वतंत्र भारत के लिये संविधान का एक प्रारूप तैयार किया। अत: दोनों कथन सत्य हैं।

3. भारतीय संविधान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. भारतीय संविधान में अल्पसंख्यक वर्गों को संरक्षण प्रदान किया गया है।
2. संघवाद का अर्थ है देश में एक से ज़्यादा स्तर पर सरकारों का होना।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : भारतीय संविधान में इस बात का ख्याल रखा गया है कि अल्पसंख्यकों को उन सुविधाओं से वंचित न होना पड़े, जो बहुसंख्यकों को आसानी से उपलब्ध हैं। बहुसंख्यकों की निरंकुशता व दबदबेपन पर भी संविधान प्रतिबंध लगाता है ताकि वे सिर्फ अल्पसंख्यकों पर ही नहीं बल्कि अपने समुदाय के नीचे के तबके के लोगों को भी परेशान न कर पाएँ। भारत एक संघीय देश है। यहाँ केंद्र व राज्य दोनों स्तरों पर सरकार का प्रावधान है।

4. सरकार के अंगों में शामिल हैं-

1. कार्यपालिका
2. विधायिका
3. न्यायपालिका
4. नगरपालिका

कूट:

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (b)
व्याख्या : विधायिका में जनता द्वारा निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। कार्यपालिका ऐसे लोगों का समूह है, जो कानून लागू करने व शासन चलाने का काम देखते हैं। न्याय की व्यवस्था न्यायपालिका द्वारा की जाती है। संविधान में इन तीनों को ही सरकार का अंग माना जाता है। अत: कथन 1, 2 तथा 3 सही हैं।

5. संविधान लागू होने के समय निम्नलिखित अधिकारों में से कौन-से अधिकार मौलिक अधिकारों में शामिल थे?

1. समानता का अधिकार
2. स्वतंत्रता का अधिकार
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार
4. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
5. सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अधिकार
6. संवैधानिक उपचारों का अधिकार
7. संपत्ति का अधिकार

कूट:

(a) केवल 1, 2, 3 और 4
(b) केवल 1, 2, 4 और 7
(c) केवल 1, 2, 4, 5 और 6
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : संविधान लागू होने के समय उपर्युक्त सभी अधिकार मौलिक अधिकार के अंतर्गत शामिल थे। बाद में 44वें संविधान (संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा कर कानूनी अधिकार का दर्जा दे दिया गया था।

6. निम्नलिखित सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये-

सूची-I	सूची-II
A. संविधान सभा की अंतिम बैठक	1. 24 जनवरी, 1950
B. डॉ. अंबेडकर के अनुसार संविधान की आत्मा	2. प्रेम बिहारी नारायण
C. संविधान सभा की प्रथम बैठक	3. दिसंबर 1946
D. संविधान का हस्तलेखन	4. संवैधानिक उपचारों का अधिकार

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	2	4
(b)	1	4	3	2
(c)	3	4	1	2
(d)	3	2	1	4

उत्तर : (b)
व्याख्या : संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई थी। संविधान को हस्तलिखित करने का कार्य प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा ने किया था।

2. धर्मनिरपेक्षता की समझ

1. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
1. मौलिक अधिकार लोगों की राज्य की सत्ता के साथ-साथ बहुमत की निरंकुशता से भी रक्षा करते हैं।
2. धर्म को राज्य से अलग रखने की अवधारणा को धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : मौलिक अधिकार लोगों की राज्य की सत्ता के साथ-साथ बहुमत की निरंकुशता से भी रक्षा करते हैं। धर्म को राज्य से अलग रखने की अवधारणा को धर्मनिरपेक्षता कहा जाता है। अत: दिये गए दोनों कथन सत्य हैं।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
1. भारत में सभी नागरिकों को एक धर्म से निकलकर दूसरे धर्म को अपनाने की स्वतंत्रता प्राप्त है।
2. भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : देश के किसी भी नागरिक को स्वेच्छा से कोई भी धर्म अपनाने तथा धार्मिक उपदेशों की अपने अनुसार व्याख्या करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। अर्थात् राज्य न तो किसी खास धर्म को थोपेगा और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनेगा।

3. धर्मनिरपेक्षता के संदर्भ में राज्य के कर्त्तव्यों के बारे में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-
1. भारतीय राज्य खुद को धर्म से दूर रखते हुए यह ध्यान देता है कि राज्य की बागडोर न तो किसी एक ही धार्मिक समूह के हाथों में जाए और न ही राज्य किसी एक धर्म को समर्थन दे।
2. धार्मिक क्रिया-कलापों में अहस्तक्षेप की नीति अपनाते हुए राज्य कुछ खास धार्मिक समुदायों को विशेष छूट देता है।
3. धार्मिक वर्चस्व को रोकने के लिये भारतीय राज्य कभी-कभी 'हस्तक्षेप' करते हुए धर्म में फैली बुराइयों का निषेध भी करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) केवल 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : दिये गए सभी विकल्प राज्य के कर्त्तव्यों के विषय में सत्य हैं।

4. अमेरिका से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
1. अमेरिका की विधायिका कानून बनाकर किसी भी धर्म को राजकीय धर्म घोषित कर सकती है।
2. संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्य और धर्म के पृथक्करण का अर्थ है कि राज्य व धर्म दोनों एक-दूसरे के मामलों में किसी प्रकार का दखल नहीं दे सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)
व्याख्या : अमेरिकी संविधान में प्रथम संशोधन के द्वारा विधायिका को किसी भी ऐसे कानून को बनाने से रोक दिया गया, जो 'धार्मिक संस्थानों का पक्ष लेते हों' या 'धार्मिक स्वतंत्रता को रोकते हों।' इसका अर्थ है कि विधायिका किसी भी धर्म को राजकीय धर्म घोषित नहीं कर सकती है। अत: कथन 1 असत्य है। संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्य और धर्म के पृथक्करण का अर्थ है कि राज्य व धर्म दोनों एक-दूसरे के मामलों में किसी प्रकार का दखल नहीं दे सकते हैं। अत: कथन 2 सत्य है।

लोकतांत्रिक राजनीति-I

2. संविधान निर्माण

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. 1928 में मोतीलाल नेहरू और कॉन्ग्रेस के कुछ अन्य सदस्यों ने मिलकर सर्वप्रथम भारत का एक संविधान बनाया था।
2. मोतीलाल नेहरू द्वारा बनाए गए संविधान में सार्वभौम वयस्क मताधिकार की बात शामिल थी।
3. 1931 के कराची अधिवेशन में भी संविधान की एक रूपरेखा रखी गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)

व्याख्या : 1928 में मोतीलाल नेहरू और कॉन्ग्रेस के कुछ अन्य सदस्यों ने मिलकर सर्वप्रथम भारत का एक संविधान बनाया था। मोतीलाल नेहरू द्वारा बनाए गए संविधान में सार्वभौम वयस्क मताधिकार, स्वतंत्रता और समानता का अधिकार व अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा की बात शामिल थी। साथ ही 1931 में कराची में हुए भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के अधिवेशन में भी संविधान की एक रूपरेखा रखी गई थी। अत: दिये गए सभी कथन सत्य हैं।

2. संविधान निर्माताओं से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. संविधान सभा में ऐसे अनेक सदस्य थे जो कॉन्ग्रेसी नहीं थे।
2. संविधान सभा में समाज के अलग-अलग समूहों का प्रतिनिधित्व था।
3. संविधान सभा के सदस्यों की विचारधारा एक समान थी।
4. महात्मा गांधी ने संविधान निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सत्य हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (a)

व्याख्या : संविधान सभा संपूर्ण भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही थी। हालाँकि, उस समय सार्वभौमिक मताधिकार लोगों को प्राप्त नहीं था इसलिये संविधान सभा के सदस्यों का चयन जनता प्रत्यक्ष रूप से नहीं कर सकी। सभा के सदस्यों का चुनाव प्रांतीय असेंबली के सदस्यों (सन 1937 में प्रथम प्रांतीय असेंबली तथा सन् 1946 में द्वितीय प्रांतीय असेंबली के चुनाव हुए थे) ने ही किया था। इस सभा में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के सदस्यों का प्रभुत्व था। कॉन्ग्रेस के अंदर कई राजनैतिक समूह व विभिन्न विचारधारा के लोग थे। सामाजिक रूप से इस सभा में हर समूह, जाति, वर्ग, धर्म और पेशे के लोग थे। बहुत से सदस्य संविधान सभा में ऐसे भी थे जो गैर-कॉन्ग्रेसी थे। अत: कथन 1 और 2 सत्य हैं। इस सभा में देश के लगभग सभी समूहों के व विभिन्न विचारधारा के लोगों का प्रतिनिधित्व था। इस सभा में उपस्थित सभी सदस्यों की विचारधारा एक नहीं थी। साथ ही देश की आज़ादी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधीजी इस सभा में शामिल नहीं थे। हालाँकि, गांधीवादी विचारधारा के समर्थक इस सभा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। अत: कथन 3 और 4 असत्य हैं।

3. डॉ. अंबेडकर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. वह भेदभाव व गैर-बराबरी मुक्त भारत के प्रबल समर्थक थे।
2. अंबेडकर, गांधी व उनकी विचारधारा के प्रबल समर्थक थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या : भेदभाव व गैर-बराबरी मुक्त भारत के डॉ. अंबेडकर व महात्मा गांधी दोनों ही समर्थक थे लेकिन दोनों की विचारधाराओं में अनेक अंतर थे। गांधीजी कर्म सिद्धांत में विश्वास करते थे। गांधीजी का मानना था कि जो व्यक्ति जिस वर्ग में जन्म लेता है उसे उसी वर्ग के कर्त्तव्यों का पालन करते हुए आगे बढ़ना चाहिये जिसका डॉ. अंबेडकर कड़ा विरोध करते थे। अत: कथन 1 सत्य जबकि कथन 2 असत्य है।

4. संविधान की उद्देशिका में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिये-

1. समाजवादी 2. पंथनिरपेक्ष
3. गणराज्य 4. लोकतंत्रात्मक
5. प्रभुत्वसंपन्न

कूट:

(a) 1, 2, 5, 4, 3 (b) 5, 1, 2, 4, 3
(c) 4, 5, 1, 2, 3 (d) 1, 2, 4, 5, 3

उत्तर : (b)

व्याख्या : संविधान की उद्देशिका में प्रयुक्त शब्दों का सही क्रम- प्रभुत्वसंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।

5. प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अबुल कलाम आज़ाद की विशेषताओं के संदर्भ में सत्य है/हैं-

1. शिक्षाविद् 2. लेखक
3. धर्मशास्त्रों के ज्ञाता 4. अरबी के विद्वान

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : अबुल कलाम आज़ाद का जन्म सऊदी अरब में हुआ था। वे शिक्षाविद्, लेखक, धर्मशास्त्रों के ज्ञाता व अरबी के विद्वान होने के साथ-साथ कॉन्ग्रेस के अग्रणी नेता भी थे। वे मुस्लिम अलगाववादी राजनीति के धुर विरोधी थे। वे स्वतंत्रता के पश्चात् गठित पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में शिक्षा मंत्री भी रहे।

6. निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें-

1. वल्लभभाई पटेल	अंतरिम सरकार में गृह, सूचना व प्रसारण मंत्री
2. राजेंद्र प्रसाद	संविधान सभा के अध्यक्ष
3. एच.सी. मुखर्जी	संविधान सभा के उपाध्यक्ष
4. जॉन मथाई	अंतरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-कौन सुमेलित है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1, 2 और 4
(c) केवल 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : उपर्युक्त सभी युग्म सुमेलित हैं।

7. भारतीय संविधान किस तिथि को अंगीकृत किया गया था?

(a) 26 नवंबर, 1949 (b) 26 नवंबर, 1950
(c) 26 जनवरी, 1949 (d) 26 जनवरी, 1950

उत्तर : (a)
व्याख्या : संविधान को 26 नवंबर, 1949 को अंगीकृत किया गया था।

8. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये-

1. राजेंद्र प्रसाद- चंपारण सत्याग्रह के प्रमुख भागीदार
2. सरोजिनी नायडू- कॉन्ग्रेस की प्रथम महिला अध्यक्ष
3. श्यामा प्रसाद मुखर्जी- भारतीय जनसंघ के संस्थापक

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (c)
व्याख्या : सरोजिनी नायडू भारत की प्रथम महिला राज्यपाल थीं। कॉन्ग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष एनी बेसेंट थीं। सरोजिनी नायडू कॉन्ग्रेस की प्रथम भारतीय महिला अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुई थीं। अत: युग्म 2 सुमेलित नहीं है।

9. भारतीय संविधान सभा के गठन के समय प्रारूप/समिति के अध्यक्ष थे-

(a) श्यामा प्रसाद मुखर्जी (b) जवाहर लाल नेहरू
(c) बलदेव सिंह (d) भीमराव अंबेडकर

उत्तर : (d)
व्याख्या : भारतीय संविधान के जनक कहे जाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे।

10. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निम्नलिखित में से कौन से नए शब्द जोड़े गए?

1. समाजवादी
2. पंथनिरपेक्ष
3. अखंडता
4. लोकतंत्रात्मक
5. प्रभुत्वसंपन्न

कूट:

(a) 1, 2, 5 और 3 (b) 1, 2, 3, 4 और 5
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 3, 4 और 5

उत्तर : (c)
व्याख्या : 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका में संशोधन करके तीन नए शब्द- 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'अखंडता' को जोड़ा गया।

3. चुनावी राजनीति

1. भारत में होने वाले चुनावों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. सभी चुनाव क्षेत्रों में एक ही दिन या कुछ अंतराल में अलग-अलग दिन जो चुनाव होते हैं, उन्हें आम चुनाव कहते हैं।
2. किसी सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे से खाली हुए पद के लिये जो चुनाव होते हैं उन्हें उपचुनाव कहते हैं।
3. अनुसूचित जनजाति के लिये आरक्षित क्षेत्र से सिर्फ अनुसूचित जनजाति के सदस्य ही चुनाव लड़ सकते हैं।
4. लोकसभा चुनाव के लिये देश को 543 निर्वाचन क्षेत्रों में बाँटा गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 2
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 1 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।
सभी चुनाव क्षेत्रों में एक ही दिन या कुछ अंतराल में अलग-अलग दिन जो चुनाव होते हैं, उन्हें आम चुनाव कहते हैं। किसी सदस्य की मृत्यु या इस्तीफे से खाली हुए पद के लिये जो चुनाव होते हैं उन्हें उपचुनाव कहते हैं। संविधान में कमज़ोर वर्गों के लिये संविधान निर्माताओं द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में कुछ क्षेत्रों को अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिये आरक्षित कर दिया जाता है, जहाँ से सिर्फ अनुसूचित जनजाति के लोग ही चुनाव लड़कर अपने वर्गों का प्रतिनिधित्व करते हैं। लोकसभा व राज्य विधानसभा में इन वर्गों के लिये सीटें आरक्षित की गई हैं। लोकसभा चुनाव में देश को 543 निर्वाचन क्षेत्रों में विभक्त किया गया है। इन सीटों से निर्वाचित व्यक्ति सांसद कहलाते हैं।

लोकतांत्रिक राजनीति-II

इकाई-I

1. सत्ता की साझेदारी

1. निम्नलिखित में से कौन-सा/से लोकतंत्र में सत्ता के क्षैतिज बँटवारे को निरूपित करता है/करते हैं?

1. कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका
2. केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय सरकार

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या : केंद्र, राज्य एवं स्थानीय स्तर की सरकारों के रूप में सत्ता का बँटवारा क्षैतिज न होकर ऊर्ध्वाधर प्रकृति का होता है। अत: कथन 2 गलत है।

कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका एक ही स्तर पर रहकर अपनी-अपनी शक्ति का प्रयोग करते हैं तथा नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था की पूर्ति करते हैं। अत: कथन 1 सही है।

2. संघवाद

1. निम्नलिखित में से कौन संघीय व्यवस्था की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ हैं?

1. दो या अधिक स्तरों वाली सरकार
2. कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का अपना-अपना अधिकार क्षेत्र
3. संविधान द्वारा सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारंटी और सुरक्षा
4. राज्य की सरकार केंद्रीय सरकार के प्रति जवाबदेह

कूट:

(a) केवल 1 और 4 (b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (c)

व्याख्या : राज्य की सरकार का केंद्रीय सरकार के प्रति जवाबदेह होना संघीय व्यवस्था नहीं बल्कि एकात्मक व्यवस्था की विशेषता है।

2. भारतीय संघीय व्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

1. प्रतिरक्षा, बैंकिंग, संचार-संघ सूची के विषय हैं।
2. शिक्षा, वन, विवाह-राज्य सूची के विषय हैं।
3. व्यापार, वाणिज्य, सिंचाई-समवर्ती सूची के विषय हैं।

कूट:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 1 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या : शिक्षा, वन, विवाह-समवर्ती सूची, जबकि व्यापार, वाणिज्य एवं सिंचाई-राज्य सूची के विषय हैं। अत: कथन 2 और 3 सही नहीं है।

3. केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सत्ता के बँटवारे की व्यवस्था में बदलाव के लिये आवश्यक है-

(a) संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत की मंज़ूरी

(b) संसद के दोनों सदनों में साधारण बहुमत एवं आधे से अधिक राज्यों की मंज़ूरी

(c) संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत

(d) संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत एवं आधे से अधिक राज्यों की मंज़ूरी

उत्तर : (d)

व्याख्या : भारतीय संविधान के अनुच्छेद-368(2) के अनुसार।

4. 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन द्वारा प्रदत्त व्यवस्था के अनुसार-

1. स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव नियमित रूप से करना संवैधानिक बाध्यता है।
2. एक तिहाई पद महिलाओं के लिये आरक्षित हैं।
3. हर राज्य में पंचायत एवं नगरपालिका चुनाव कराने के लिये राज्य चुनाव आयोग नामक स्वतंत्र संस्था का गठन किया गया है।
4. स्थानीय स्वशासी निकायों की सत्ता में भागीदारी हर राज्य में एक समान है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) 1, 2 और 4

(d) केवल 4

उत्तर : (d)

व्याख्या : स्थानीय स्वशासी निकायों की सत्ता में भागीदारी की प्रकृति एवं मात्रा का निर्धारण राज्य के विधानमंडल के अधीन है, फलत: यह भिन्न-भिन्न हो सकता। अत: कथन 4 गलत है।

इकाई-II

4. जाति, धर्म और लैंगिक मसले

1. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. जनगणना–2001 की तुलना में जनगणना–2011 में लिंगानुपात में वृद्धि दर्ज की गई है।
2. जनगणना–2001 की तुलना में जनगणना–2011 में शिशु लिंगानुपात में मामूली-सी वृद्धि दर्ज की गई है।

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (a)

व्याख्या :

जनगणना-2001 की तुलना में जनगणना-2011 में लिंगानुपात में वृद्धि दर्ज की गई है, जो 933 से बढ़कर 943 हो गई। अत: कथन 1 सही है।

जनगणना-2001 की तुलना में जनगणना-2011 में शिशु लिंगानुपात (0–6 वर्ष की आयु) में कमी दर्ज की गई है, जो 927 से घटकर 919 हो गई। अत: कथन 2 गलत है।

लिंगानुपात की गणना प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या के आधार पर की जाती है।

2. निम्नलिखित संस्थाओं में महिलाओं के लिये आरक्षण का प्रावधान किया गया है-

1. लोकसभा
2. विधानसभा
3. पंचायती राज
4. नगरपालिका

कूट:

(a) केवल 3

(b) केवल 3 और 4

(c) केवल 1, 3 और 4

(d) केवल 2, 3 और 4

उत्तर : (b)

व्याख्या : उपर्युक्त में से विकल्प (b) सही है।

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिये स्थानों का आरक्षण नहीं किया गया है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिये (33%) स्थानों के आरक्षण की मांग उठाई गई और इसके लिये 108वाँ संविधान संशोधन विधेयक 2008 प्रस्तुत किया गया। इस विधेयक को राज्यसभा में 6 मई, 2008 को पेश किया गया, किंतु विधेयक पारित नहीं हो पाया। पुन: विधेयक को राज्यसभा में पेश किया गया। राज्यसभा ने 9 मार्च, 2010 को विधेयक पारित कर दिया, किंतु यह लोकसभा में पारित नहीं हो पाया। 15वीं लोकसभा का 2014 में विघटन हो गया, जिसके परिणामस्वरूप यह विधेयक समाप्त हो गया।

पंचायतों एवं नगरपालिकाओं में महिलाओं के लिये न्यूनतम 33% आरक्षण का प्रावधान किया गया है, जिसे राज्य विधानमंडल चाहे तो 50% तक बढ़ा सकती है।

3. भारत के संविधान में-

1. किसी धर्म को विशेष दर्जा नहीं दिया गया है।
2. सभी नागरिकों एवं समुदायों को किसी भी धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता दी गई है।
3. धर्म के आधार पर किये जाने वाले भेदभाव को अवैधानिक घोषित किया गया है।
4. धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिये शासन को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने की शक्ति दी गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 1, 2 और 4

(c) केवल 2, 3 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

भारत के संविधान में किसी भी धर्म को विशेष दर्जा प्रदान नहीं किया गया है। सभी नागरिकों एवं समुदायों को किसी भी धर्म का पालन एवं प्रचार करने की आज़ादी दी गई है। धर्म के आधार पर किये जाने वाले किसी भी भेदभाव को अवैधानिक घोषित किया गया है। भारत का संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिये शासन को धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार देता है।

4. भारत में विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोग निवास करते हैं। उनके जनसंख्या अनुपात का सही क्रम कौन-सा है?

(a) सिख > ईसाई > बौद्ध > जैन

(b) सिख > ईसाई > जैन > बौद्ध

(c) ईसाई > सिख > बौद्ध > जैन

(d) ईसाई > सिख > जैन > बौद्ध

उत्तर : (c)

व्याख्या : जनगणना–2011 के अनुसार भारत में विभिन्न धार्मिक समुदायों का अनुपात निम्नानुसार है:

हिंदू – 79.8% मुस्लिम – 14.2%	ईसाई – 2.3% सिख – 1.7%	अन्य 2% (बौद्ध – 0.7%, जैन – 0.4%, अन्य धर्म – 0.7% तथा कोई धर्म नहीं – 0.2%)

5. महात्मा गांधी के अनुसार धर्म और राजनीति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. धर्म को राजनीति से अलग नहीं किया जा सकता, धर्म राजनीति के लिये अनिवार्य है।
2. धर्म से उनका मतलब हिंदू या इस्लाम जैसे धर्म से था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

राजनीतिक सिद्धांत

2. स्वतंत्रता

1. 'स्वतंत्रता' का अर्थ है-

1. बाहरी प्रतिबंधों का अभाव होना।
2. ऐसी स्थितियों का होना जिनमें लोग अपनी प्रतिभा का विकास कर सकें।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।
यदि किसी व्यक्ति पर बाहरी नियंत्रण या दबाव न हो और वह बिना किसी पर निर्भर हुए निर्णय ले सके तथा स्वायत्त तरीके से व्यवहार कर सके, तो वह व्यक्ति स्वतंत्र माना जा सकता है। हालाँकि, प्रतिबंधों का न होना स्वतंत्रता का केवल एक पहलू है। अत: स्वतंत्रता वह स्थिति है जिसमें लोग अपनी रचनात्मकता और क्षमताओं का विकास कर सकें।

2. 'उदारवाद' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. उदारवादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समानता जैसे अन्य मूल्यों से अधिक वरीयता देते हैं।
2. उदारवादी कल्याणकारी राज्य की भूमिका को स्वीकार करते हैं।
3. उदारवाद के अनुसार सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने वाले उपायों की ज़रूरत है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 एवं 3
(c) केवल 1 एवं 3 (d) 1, 2 एवं 3

उत्तर : (d)
व्याख्या : आधुनिक उदारवाद की विशेषता यह है कि इसमें केंद्र बिंदु व्यक्ति है। उदारवाद के लिये परिवार, समाज या समुदाय जैसी इकाइयों का अपने आप में कोई महत्त्व नहीं है। उनके लिये, इन इकाइयों का महत्त्व तभी है, जब व्यक्ति इन्हें महत्त्व दे। उदाहरण के लिये, उदारवादी कहेंगे कि किसी से विवाह करने का निर्णय व्यक्ति को लेना चाहिये, परिवार, जाति या समुदाय को नहीं। उदारवादी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को समानता जैसे अन्य मूल्यों से अधिक वरीयता देते हैं। ऐतिहासिक रूप से उदारवाद ने मुक्त बाज़ार और राज्य की भूमिका का पक्ष लिया है। हालाँकि, अब वे कल्याणकारी राज्य की भूमिका को स्वीकार करते हैं और मानते हैं कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने वाले उपायों की ज़रूरत है। अत: उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

3. कथन (A) : स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में राज्य किसी व्यक्ति को ऐसे कार्य करने से रोक सकता है जो किसी अन्य को नुकसान पहुँचाते हों।

कारण (R) : चूँकि स्वतंत्रता मानव समाज के केंद्र में है और गरिमापूर्ण मानव जीवन के लिये बेहद महत्त्वपूर्ण है, इसलिये इस पर प्रतिबंध बहुत ही खास स्थिति में लगाया जा सकता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)
व्याख्या : ऐसे कार्य जो दूसरों पर असर डालते हैं, जिनके बारे में कहा जा सकता है कि उनकी गतिविधियों से दूसरों का नुकसान होता है तो ऐसी स्थिति में राज्य का कर्त्तव्य बनता है कि वे लोगों को होने वाले नुकसान से बचाए। अत: ऐसे मामलों में राज्य किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता पर आंशिक प्रतिबंध लगा सकता है। इस प्रकार कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

4. *"तुम जो कहते हो मैं उसका समर्थन नहीं करता। लेकिन मैं मरते दम तक तुम्हारे कहने के अधिकार का बचाव करूँगा"* यह कथन अनुच्छेद-19 के द्वारा दिये गए छः स्वतंत्रता के अधिकारों में से किस अधिकार के विषय में कहा गया है?

(a) वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
(b) शांतिपूर्वक और निरायुध सम्मेलन का अधिकार
(c) संगम, संघ या सहकारी समितियाँ बनाने का अधिकार
(d) भारत के राज्यक्षेत्र में सर्वत्र अबाध संचरण का अधिकार

उत्तर : (a)
व्याख्या : उपर्युक्त कथन वाल्टेयर का है। यह कथन 'वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार' के विषय में कहा गया है। भारतीय संविधान में भारतीय नागरिकों को अनुच्छेद-12 से 35 तक छः मूल अधिकार दिये गए हैं जिनमें स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद-19 से 22 तक दिया गया है। इन्हीं स्वतंत्रता के अधिकारों के अंतर्गत अनुच्छेद-19(1)(a) में वाक् एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का ज़िक्र मिलता है।

3. समानता

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. फ्राँसीसी क्रांति में विद्रोहियों द्वारा 'स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा' का नारा दिया गया था।
2. समानता की मांग बीसवीं शताब्दी में एशिया और अफ्रीका के उपनिवेश विरोधी स्वतंत्रता संघर्षों के दौरान भी उठी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : 18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में हुई फ्राँसीसी क्रांति में भू-सामंती, अभिजन-वर्ग और राजशाही के खिलाफ हुए विद्रोह के दौरान 'स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा' का नारा क्रांतिकारियों द्वारा दिया गया था। अत: कथन 1 असत्य नहीं है।
समानता की मांग बीसवीं शताब्दी में एशिया और अफ्रीका के उपनिवेश विरोधी स्वतंत्रता संघर्षों के दौरान भी उठी थी और लगातार उन संघर्ष समूहों द्वारा उठाई जा रही थी जो महसूस करते थे कि उन्हें समाज में किनारे कर दिया गया है, जैसे कि महिला या दलित। अत: कथन 2 भी असत्य नहीं है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-
1. किसी के साथ इसलिये अलग बरताव करना कि उसका जन्म किसी खास धर्म, नस्ल, जाति या लिंग में हुआ है। असमानता के इन आधारों को अस्वीकार करना चाहिये।
2. समाज के सहज कार्य-व्यापार के लिये कार्य का विभाजन ज़रूरी नहीं है।
3. समानता के आदर्श से जुड़े होने का यह मतलब यह नहीं है कि सभी तरह के अंतरों का उन्मूलन कर दिया जाए।
4. समानता का मतलब है कि व्यक्ति के साथ जो व्यवहार किया जाए और उसे जो भी अवसर प्राप्त हों, वे जन्म या सामाजिक परिस्थितियों से निर्धारित नहीं होने चाहिये।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?
(a) केवल 1 और 4
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (b)
व्याख्या : उपर्युक्त में से कथन 1, 3 और 4 सत्य हैं। समाज के सहज कार्य-व्यापार के लिये कार्य का विभाजन ज़रूरी है क्योंकि समाज में सभी कार्य एक ही प्रकार के लोगों द्वारा नहीं किये जा सकते। समाज में अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग कार्य किये जाते हैं और उनका महत्त्व भी अलग-अलग होता है क्योंकि अगर ऐसा न हो तो समाज में अव्यवस्था फैल जाएगी। इस प्रकार कथन 2 असत्य है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-
1. सामाजिक दर्जा, संपत्ति या विशेषाधिकारों में समानता का अभाव होना महत्त्वपूर्ण नहीं है लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित आवास जैसी बुनियादी चीज़ों की उपलब्धता में असमानताओं से ही कोई समाज असमान और अन्यायपूर्ण बनता है।
2. समाजजनित असमानताएँ वे होती हैं, जो समाज में अवसरों की असमानता होने या किसी समूह का दूसरे के द्वारा शोषण किये जाने से पैदा होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : किसी समाज में प्रत्येक व्यक्ति का सामाजिक दर्जा, संपत्ति या विशेषाधिकार अलग-अलग होता है। उसमें समानता होना असंभव है लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य या सुरक्षित आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं को अगर लोगों की पद-प्रतिष्ठा को ध्यान में रखकर उपलब्ध कराया जाए तो यह अन्यायपूर्ण बात होगी। अत: कथन 1 सत्य है।
एक समूह द्वारा दूसरे समूह का शोषण करना तथा अवसरों की समानता को असमानताओं में बदलकर दूसरों को प्रभावित करना, समाजजनित असमानताएँ कहलाती है। अत: कथन 2 भी सत्य है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-
1. समाजजनित असमानताएँ लोगों में उनकी विभिन्न क्षमताओं, प्रतिभा और उनके अलग-अलग चयन के कारण पैदा होती हैं।
2. प्राकृतिक असमानताएँ वे होती हैं, जो समाज में अवसरों की असमानता होने या किसी समूह की दूसरे के द्वारा शोषण किये जाने से पैदा होती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : कथन 1 समाजजनित असमानताओं की नहीं बल्कि प्राकृतिक असमानताओं की बात करता है। अत: कथन 1 असत्य है।
कथन 2 प्राकृतिक असमानताओं की नहीं बल्कि समाजजनित असमानताओं की बात करता है। अत: कथन 2 भी असत्य है।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-
1. राजनीतिक समानता की ज़रूरत उन बाधाओं को दूर करने में है जिन्हें दूर किये बिना लोगों का सरकार में अपनी बात रखने और उपलब्ध साधनों तक पहुँचना संभव नहीं होगा।
2. भारत में समान अवसरों के मद्देनज़र एक विशेष समस्या सुविधाओं की कमी की वजह से नहीं, बल्कि कुछ सामाजिक रीति-रिवाजों से सामने आती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : अगर देश में राजनीतिक समानता नहीं होगी तो सरकार तक लोगों को अपनी बात पहुँचाना मुश्किल हो जाएगा तथा सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए साधनों का भी लोगों द्वारा सही तरीके से उपयोग नहीं किया जा सकेगा। अत: कथन 1 सत्य है।
भारत में समान अवसर के रहते हुए भी हमें कुछ जगहों पर असमानताएँ देखने को मिलती हैं जिसके कारणों में हम देश के रीति-रिवाजों को देख सकते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में औरतों को उत्तराधिकार का समान अधिकार नहीं मिलता, कुछेक गतिविधियों में उनके शामिल होने पर पाबंदी होती है और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने से भी हतोत्साहित किया जाता है। ऐसे मामलों में राज्य की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अत: कथन 2 भी सही है।

भारत का संविधान : सिद्धांत और व्यवहार

1. संविधान - क्यों और कैसे?

1. संविधान के निम्नलिखित कार्यों के संबंध में विचार करें-

1. बुनियादी नियमों का समूह उपलब्ध कराना
2. नागरिकों के अधिकारों पर नियंत्रण के संदर्भ में दिशा-निर्देश
3. कुछ साझे मूल्यों की अभिव्यक्ति करना
4. न्यायपूर्ण समाज को सुनिश्चित करना
5. यह सुनिश्चित करना कि सत्ता में अच्छे लोग आएँ

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 5
(c) केवल 2 और 3 (d) केवल 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (b)
व्याख्या : संविधान का कार्य है कि वह बुनियादी नियमों का ऐसा समूह उपलब्ध कराए जिससे समाज के सदस्यों में न्यूनतम समन्वय और विश्वास बना रहे। संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदत्त अधिकारों पर नियंत्रण लगाने के संदर्भ में संविधान में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिये गए हैं। कोई भी सरकार कुछ विषम परिस्थितियों में ही उन्हें सीमित कर सकती है, लेकिन उन्हें समाप्त नहीं कर सकती। उसमें भी अनुच्छेद-20 व 21 के मूल अधिकार को किसी भी परिस्थिति में नहीं छीना जा सकता। साझे मूल्य, स्वतंत्रता, बंधुता व धार्मिक-राजनीतिक स्वच्छंदताएँ, हमें संविधान के द्वारा प्राप्त हैं। स्वतंत्र न्यायपालिका के माध्यम से न्याय व्यवस्था को सुनिश्चित किया गया है। संविधान में सत्ता में आने की प्रक्रिया व उनको प्राप्त अधिकारों का स्पष्ट उल्लेख है लेकिन उनकी योग्यता के संदर्भ में इतनी चुस्ती नहीं दिखाई गई है अर्थात् ये सुनिश्चित करना कि सत्ता में अच्छे लोग ही आएँ व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. भारतीय संविधान, सरकार को लोकहितकारी कार्य करने हेतु अधिकार प्रदान करता है।
2. समाज की आकांक्षाओं व उनके लक्ष्यों की अभिव्यक्ति को सुनिश्चित करने का दायित्व सरकार का होता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (c) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : संविधान, सरकार को लोकहितकारी कार्य करने, समाज की आकांक्षाओं व उनके लक्ष्यों को सुनिश्चित करने का सामर्थ्य प्रदान करता है। अत: कथन 1 व 2 दोनों सत्य हैं।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. संविधान के माध्यम से ही किसी समाज की एक सामूहिक इकाई के रूप में पहचान होती है।
2. संविधान आधिकारिक बंधन लगाने के साथ-साथ सभी नागरिकों को नैतिक पहचान भी देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

4. कथन (A): किसी भी देश का संविधान, उस देश के नागरिकों की आकांक्षाओं का पिटारा है।
कारण (R): संविधान निर्माताओं का मानना था कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को बुनियादी भौतिक ज़रूरतों और शिक्षा सहित गरिमा और सामाजिक आत्म सम्मान से लबरेज़ जीवन जीने हेतु सभी आधार प्राप्त होने चाहिये।
नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) व (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) व (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)
व्याख्या : किसी भी देश के संविधान निर्माता वहाँ की जनता की आधारभूत आवश्यकताओं को समझते हुए उन्हीं के अनुसार संविधान के मूल्यों का सृजन करते हैं।

5. कथन (A): संविधान सरकार को शक्तियों को नियंत्रित करने वाले नियमों और कानूनों के साथ ऐसी शक्तियाँ भी देता है जिससे वह समाज की सामूहिक भलाई के लिये काम कर सके।
कारण (R): भारतीय संविधान जाति या नस्ल को नागरिकता के आधार के रूप में मान्यता प्रदान करता है।
नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (c)
व्याख्या : कथन (A) सही है, परंतु कारण (R) गलत है।
भारतीय संविधान जाति या नस्ल को नागरिकता के आधार के रूप में मान्यता प्रदान नहीं करता है।

6. कथन (A): इंग्लैंड के पास कोई संविधान नहीं है, बल्कि उनके पास दस्तावेज़ों तथा निर्णयों की लंबी शृंखला है।
कारण (R): कोई संविधान अपने सभी नागरिकों की स्वतंत्रता और समानता की जितनी अधिक सुरक्षा करता है उसकी सफलता की संभावना उतनी बढ़ जाती है।
नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (b)
व्याख्या : इंग्लैंड में दस्तावेज़ों तथा निर्णयों की लंबी शृंखला को ही सामूहिक रूप से संविधान कहा जा सकता है। उनके पास अलग से कोई संविधान नहीं है। जो संविधान अपने सभी नागरिकों की स्वतंत्रता और समानता की जितनी अधिक सुरक्षा करता है उसकी सफलता की संभावनाएँ उतनी ही अधिक होती हैं। इस संदर्भ में सबसे उपयुक्त उदाहरण भारतीय संविधान है।

7. कथन (A): संविधान की रूपरेखा बनाने के संदर्भ में यह सुनिश्चित करना प्राथमिक है कि एक ही संस्था/विभाग का सभी शक्तियों पर एकाधिकार न हो।
कारण (R): भारतीय संविधान में शक्ति को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे स्वतंत्र संवैधानिक निकायों में बाँटा गया है।
नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)
व्याख्या : भारतीय संविधान में शक्ति को विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका जैसे स्वतंत्र संवैधानिक निकायों में बाँटा गया है। इन सभी संस्थाओं (कार्यपालिका, विधायिका व न्यायपालिका) को एक-दूसरे से स्वतंत्र रखने का सबसे बड़ा कारण यही है कि यदि एक संस्था संविधान का अतिक्रमण करती है, तो दूसरी संस्था उस पर आपत्ति दर्ज कर उस पर रोक लगा सकती है।

8. कथन (A): कठोर संविधान परिवर्तन के दबाव में नष्ट हो जाते हैं और यदि संविधान अत्यधिक लचीला है तो वह समाज को सुरक्षा और पहचान नहीं दे पाएगा।
कारण (R): सफल संविधान प्रमुख मूल्यों की रक्षा करने और नई परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने में संतुलन रखते हैं।
नीचे दिये गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिये-
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (b)
व्याख्या : कथन (A) व कारण (R) दोनों सही हैं लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

9. ब्रिटिश मंत्रिमंडल की समिति 'कैबिनेट मिशन' में निम्नलिखित प्रस्तावित बिंदुओं में कौन-कौन से बिंदु शामिल थे?
1. प्रत्येक प्रांत तथा देशी रियासतों के समूहों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें दी गईं। साधारणत: दस लाख की जनसंख्या पर एक सीट का अनुपात रखा गया।
2. प्रत्येक प्रांत की सीटों को तीन प्रमुख समुदायों- मुसलमान, सिख और सामान्य में उनकी जनसंख्या के अनुपात में बाँट दिया गया।
3. प्रांतीय विधानसभाओं में प्रत्येक समुदाय के सदस्यों ने अपने प्रतिनिधियों को चुना तथा इसके लिये उन्होंने समानुपातिक प्रतिनिधित्व और एकल संक्रमण मत पद्धति का प्रयोग किया।
4. देशी रियासतों के प्रतिनिधियों के चुनाव का तरीका उनके परामर्श से तय किया गया।

कूट:
(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : उपर्युक्त सभी बिंदु 'कैबिनेट मिशन' में प्रस्तावित थे। संविधान सभा की रचना लगभग उसी योजना के अनुसार हुई जिसे कैबिनेट मिशन (ब्रिटिश मंत्रिमंडल की एक समिति) ने प्रस्तावित किया था।

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
1. सामाजिक लोकतंत्र स्वतंत्रता, समता और बंधुता को जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वीकार करता है।
2. समताविहीन स्वतंत्रता कुछ व्यक्तियों के, अनेक व्यक्तियों पर प्रभुता को जन्म देगी, वहीं स्वतंत्रताविहीन समता व्यक्तिगत पहल को नष्ट कर देगी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं।
सामाजिक लोकतंत्र स्वतंत्रता, समता और बंधुता को जीवन के सिद्धांत के रूप में स्वीकार करता है। अत: स्वतंत्रता को समता से अलग नहीं किया जा सकता है, न ही समता को स्वतंत्रता से और न ही स्वतंत्रता व समता को बंधुता से अलग किया जा सकता है। जहाँ स्वतंत्रता विहीन समता व्यक्ति को नष्ट करेगी तो वहीं समताविहीन स्वतंत्रता कुछ व्यक्तियों के अनेक व्यक्तियों पर प्रभुत्व को जन्म देगी। बंधुता के बिना स्वतंत्रता और समता अपना स्वाभाविक मार्ग ग्रहण नहीं कर सकती।

कक्षा XII

स्वतंत्र भारत में राजनीति

1. राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ

1. स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राष्ट्र के सामने क्या-क्या मुख्य चुनौतियाँ थीं?

1. एकता के सूत्र में भारत को गढ़ने की
2. लोकतंत्र को कायम रखने की
3. समावेशी विकास की
4. आतंकवाद से मुक्ति की

कूट:

(a) केवल 2 और 3 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (b)
व्याख्या : स्वतंत्रता प्राप्ति के समय राष्ट्र के सामने मुख्यत: एकता के सूत्र में भारत को गढ़ने की, लोकतंत्र को कायम रखने की एवं समावेशी विकास की चुनौतियाँ थीं। आतंकवाद तत्कालीन चुनौती नहीं थी।

2. गांधीजी द्वारा जनवरी 1948 में रखे गए उपवास के फलस्वरूप कौन-सा/से परिवर्तन दिखाई देने लगा/लगे?

1. सांप्रदायिक तनाव और हिंसा में कमी हुई।
2. दिल्ली व उसके आस-पास के इलाकों में मुसलमान सुरक्षित अपने घरों में वापस आ गए।
3. भारत सरकार पाकिस्तान को उसका देय चुकाने पर राज़ी हो गई।

कूट:

(a) केवल 2 (b) केवल 1 और 2
(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (c)
व्याख्या : गांधीजी चाहते थे कि मुसलमानों को भारत में गरिमापूर्ण जीवन मिले और उन्हें बराबर का नागरिक माना जाए। भारत और पाकिस्तान के आपसी संबंधों को लेकर भी उनके मन में गहरी चिंताएँ थीं। उन्हें लग रहा था कि भारत पाकिस्तान के प्रति अपनी वित्तीय वचनबद्धताओं को पूरा नहीं करेगा। अत: जनवरी 1948 में गांधीजी 'उपवास' पर बैठ गए। उनके उपवास का लोगों पर जादुई असर हुआ। सांप्रदायिक तनाव और हिंसा में कमी हुई। दिल्ली व उसके आसपास के इलाकों के मुसलमान सुरक्षित अपने घरों में वापस लौट आए तथा भारत सरकार पाकिस्तान को उसका देय चुकाने को राज़ी हो गई। अत: दिये गए सभी कथन सत्य हैं।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. अंग्रेज़ी प्रभुत्व के अंतर्गत आने वाले भारतीय साम्राज्य के एक-तिहाई हिस्से में रजवाड़े कायम थे।
2. राजाओं ने ब्रिटिश-राज की अधीनता स्वीकार कर रखी थी और उन्हीं के अंतर्गत वे अपने घरेलू मामलों का शासन चलाते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या : अंग्रेज़ी प्रभुत्व के अंतर्गत आने वाले भारतीय साम्राज्य के एक-तिहाई हिस्से में रजवाड़े कायम थे। राजाओं ने ब्रिटिश-राज की अधीनता स्वीकार कर रखी थी और उन्हीं के अंतर्गत वे अपने घरेलू मामलों का शासन चलाते थे। अत: दिये गए दोनों ही कथन सत्य हैं।

4. हैदराबाद रियासत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. तेलंगाना इलाके के किसान निज़ाम के दमनकारी शासन से पीड़ित थे।
2. निज़ाम के शासन में महिलाओं पर अत्यंत जुल्म किये गए।
3. निज़ाम के विरुद्ध छिड़े आंदोलन में कम्युनिस्ट और हैदराबाद कॉन्ग्रेस अग्रिम पंक्ति में थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (c)
व्याख्या : हैदराबाद बहुत बड़ी रियासत थी। इसके कुछ हिस्से आज के महाराष्ट्र तथा कर्नाटक में और बाकी हिस्से आंध्र प्रदेश में हैं। हैदराबाद के शासक को निज़ाम कहा जाता था, वह दुनिया के सबसे दौलतमंद लोगों में शुमार था। आज़ादी के बाद हैदराबाद की रियासत के लोगों के बीच निज़ाम के शासन के खिलाफ एक आंदोलन ने ज़ोर पकड़ा। तेलंगाना इलाके के किसान निज़ाम के दमनकारी शासन से खासतौर पर दुखी थे। वे निज़ाम के खिलाफ उठ खड़े हुए। महिलाएँ निज़ाम के शासन में सबसे ज़्यादा जुल्म का शिकार हुई। हैदराबाद शहर इस आंदोलन का गढ़ बन गया। कम्युनिस्ट और हैदराबाद कॉन्ग्रेस इस आंदोलन की अग्रिम पंक्ति में शामिल थे।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. सन् 1920 में कॉन्ग्रेस के नागपुर अधिवेशन में राज्यों के भाषायी आधार पर गठन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया था।
2. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कॉन्ग्रेस ने सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के कारण राज्यों का भाषायी आधार पर विभाजन करने से मना कर दिया।
3. केंद्र सरकार ने 1955 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (b)
व्याख्या : सन् 1920 में कॉन्ग्रेस के नागपुर अधिवेशन में राज्यों के भाषायी आधार पर गठन के सिद्धांत को स्वीकार किया गया था। अनेक कॉन्ग्रेस-समितियों को भाषायी इलाके के आधार पर बनाया गया था। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कॉन्ग्रेस ने सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के कारण राज्यों का भाषायी आधार पर विभाजन करने से मना कर दिया। उस समय नेताओं का मानना था कि भाषावार राज्यों के गठन से दूसरी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से ध्यान हट सकता है जबकि देश इन चुनौतियों की चपेट में है। गांधीजी भी इसके खिलाफ थे। केंद्र सरकार ने 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया। फज़ल अली इस आयोग के अध्यक्ष थे तथा के.एम. पणिक्कर व एच.एन. कुंजरू इसके सदस्य थे। इस आयोग का काम राज्यों के सीमांकन के मामले पर विचार करना था। इस आयोग ने स्वीकार किया कि राज्यों की सीमाओं का निर्धारण वहाँ बोली जाने वाली भाषा के आधार पर होना चाहिये। इस आयोग की रिपोर्ट के आधार पर ही 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पास हुआ। इस अधिनियम के आधार पर 14 राज्य व 6 केंद्रशासित प्रदेश बनाए गए। अतः कथन 1 और 2 दोनों सत्य हैं तथा कथन 3 असत्य है।

6. सरदार वल्लभभाई पटेल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-

1. ये संविधान सभा की मौलिक अधिकार, अल्पसंख्यक तथा प्रांतीय मामलों की समितियों से संबंधित थे।
2. इन्होंने देशी रियासतों को भारत संघ में मिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
3. ये स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और पहले गृहमंत्री थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 2 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

7. पोट्टी श्रीरामुलु के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. ये एक गांधीवादी कार्यकर्त्ता थे तथा नमक सत्याग्रह में भाग लेने के लिये इन्होंने सरकारी नौकरी से त्याग-पत्र दे दिया था।
2. ये मद्रास प्रांत के मंदिरों में दलितों के प्रवेश हेतु मांग करते हुए उपवास पर बैठे थे।
3. ये आंध्र प्रदेश नाम से अलग राज्य गठन की मांग को लेकर अनशन पर बैठे तथा इसी दौरान इनकी मृत्यु हो गई थी।

कूटः

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 3
(c) केवल 2 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : पोट्टी श्रीरामुलु एक गांधीवादी कार्यकर्त्ता थे तथा नमक सत्याग्रह में भाग लेने के लिये इन्होंने सरकारी नौकरी से त्याग-पत्र दे दिया था। 1946 में ये मद्रास प्रांत के मंदिरों में दलितों के प्रवेश हेतु मांग करते हुए उपवास पर बैठे थे। 19 अक्तूबर, 1952 में ये आंध्र प्रदेश नाम से अलग राज्य गठन की मांग को लेकर अनशन पर बैठे तथा इसी दौरान 15 दिसंबर, 1952 को इनकी मृत्यु हो गई थी। अतः दिये गए सभी कथन सही हैं।

8. भारत विभाजन के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है?

(a) भारत विभाजन 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' का परिणाम था।
(b) धर्म के आधार पर दो प्रांतों- पंजाब और बंगाल का बँटवारा हुआ।
(c) पूर्वी पाकिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान में संगति नहीं थी।
(d) विभाजन की योजना में यह बात भी शामिल थी कि दोनों देशों के बीच आबादी की अदला-बदली होगी।

उत्तर : (d)
व्याख्या : 14-15 अगस्त, 1947 को दो राष्ट्र- भारत और पाकिस्तान अस्तित्व में आए। ऐसा 'विभाजन' के कारण हुआ, ब्रिटिश इंडिया को 'भारत' और 'पाकिस्तान' के रूप में बाँट दिया गया। भारत का विभाजन 'द्वि राष्ट्र सिद्धांत' का परिणाम था, जिसकी बात मुस्लिम लीग ने की थी। पंजाब और बंगाल का बँटवारा विभाजन की सबसे बड़ी त्रासदी साबित हुआ। इन दोनों प्रांतों के मुस्लिम बहुल क्षेत्र को काटकर पाकिस्तान में मिला दिया गया और हिंदू बहुल क्षेत्र को भारत के हिस्से छोड़ दिया गया। इस प्रकार पंजाब और बंगाल का बँटवारा धर्म के आधार पर किया गया। पूर्वी पाकिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान में संगति नहीं थी क्योंकि इनके बीच में भारतीय भू-भाग का एक बड़ा विस्तार था। अंततः विभाजन की योजना में ऐसी कोई बात शामिल नहीं थी कि विभाजन के बाद दोनों देशों के बीच आबादी की अदला बदली होगी। अतः कथन (d) गलत है।

9. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये-

सूची-I (सिद्धांत)	सूची-II (उदाहरण)
A. धर्म के आधार पर देश की सीमा का निर्धारण	1. पाकिस्तान और बांग्लादेश
B. विभिन्न भाषाओं के आधार पर देश की सीमा का निर्धारण	2. भारत और पाकिस्तान
C. भौगोलिक आधार पर किसी देश के आंतरिक क्षेत्रों का सीमांकन	3. झारखंड और छत्तीसगढ़
D. किसी देश के भीतर प्रशासनिक और राजनीतिक आधार पर क्षेत्रों का सीमांकन	4. हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड

कूटः

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	4	2	3
(d)	2	3	4	1

उत्तर : (b)

अर्थव्यवस्था

खंड-2

अर्थशास्त्र

1. पालमपुर गाँव की कहानी

1. निम्नलिखित में से किन-किन चीज़ों की आवश्यकता वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिये होती है?

1. श्रम
2. भूमि
3. मानव पूंजी
4. भौतिक पूंजी

कूट:

(a) केवल 1, 2 और 4
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 4
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)

व्याख्या : वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन के लिये चार चीज़ों की आवश्यकता होती है–

- पहली आवश्यकता है, भूमि तथा अन्य प्राकृतिक संसाधन जैसे- जल, वन, खनिज।
- दूसरी आवश्यकता है, श्रम अर्थात् जो लोग काम करेंगे। कुछ उत्पादन क्रियाओं में ज़रूरी कार्यों को करने के लिये बहुत ज़्यादा पढ़े-लिखे कर्मियों की ज़रूरत होती है। जबकि दूसरी क्रियाओं के लिये शारीरिक कार्य करने वाले श्रमिकों की ज़रूरत होती है।
- तीसरी आवश्यकता भौतिक पूंजी है।
- चौथी आवश्यकता के रूप में मानव पूंजी को लिया जाता है। स्वयं उपभोग हेतु या बाज़ार में बिक्री हेतु उत्पादन करने के लिये भूमि, श्रम और भौतिक पूंजी को एक साथ कार्य करने योग्य बनाने के लिये ज्ञान और उद्यम की आवश्यकता पड़ेगी। इसे मानव पूंजी कहा जाता है।

2. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

1. भौतिक पूंजी के अंतर्गत नकद मुद्रा तथा कच्चा माल इत्यादि मदों को स्थायी पूंजी कहा जाता है।
2. भौतिक पूंजी के अंतर्गत भवन, मशीन तथा औज़ार इत्यादि मदों को कार्यशील पूंजी कहते हैं।
3. भौतिक पूंजी को स्थायी पूंजी तथा कार्यशील पूंजी के रूप में बाँटा जाता है।

कूट:

(a) केवल 3
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर : (a)

व्याख्या : भौतिक पूंजी, उत्पादन के लिये एक आवश्यक कारक है। भौतिक पूंजी के अंतर्गत औज़ार, मशीनें, भवन, कच्चा माल तथा नकद मुद्रा मदें आती हैं। अत: कथन 1 और 2 सत्य हैं।

औज़ार, मशीनों और भवनों का उत्पादन में कई वर्षों तक प्रयोग होता है इसलिये इन्हें स्थायी पूंजी कहा जाता है। कच्चा माल तथा नकद मुद्रा को कार्यशील पूंजी कहते हैं। अत: कथन 3 सत्य नहीं है।

3. भारत में हरित क्रांति के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-

1. हरित क्रांति के दौरान चावल और गेहूँ की खेती पर अधिक बल दिया गया।
2. हरित क्रांति की शुरुआत भारत में 1960 के दशक के अंत में हुई।
3. किसानों ने हरित क्रांति के दौरान अधिक उपज वाले बीजों का प्रयोग किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

1960 के दशक के अंत में हरित क्रांति ने भारतीय किसानों को अधिक उपज वाले बीजों (एच.वाई.वी) के द्वारा गेहूँ और चावल की खेती के तरीके सिखाए। इस कारण हरित क्रांति का प्रभाव मुख्य रूप से गेहूँ एवं धान की खेती पर ही दिखाई पड़ता है।

परंपरागत बीजों की तुलना में एच.वाई.वी. बीजों से एक ही पौधे से ज़्यादा मात्रा में अनाज पैदा होने की आशा थी। जिसके परिणामस्वरूप ज़मीन के उसी टुकड़े में पहले की अपेक्षा कहीं अधिक अनाज की मात्रा पैदा होने लगी।

4. हरित क्रांति का प्रभाव मुख्य रूप से किन-किन क्षेत्रों में था?

(a) तमिलनाडु, पंजाब, गुजरात
(b) पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब
(c) हरियाणा, पंजाब, गुजरात
(d) पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश

उत्तर : (d)

व्याख्या : भारत में हरित क्रांति का प्रभाव संपूर्ण भारत में न होकर पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों तक ही सीमित रहा। इन क्षेत्रों के किसान संपन्न थे तथा हरित क्रांति में प्रयोग की जाने वाली तकनीकें महँगी थीं। इसलिये यहाँ के किसानों ने खेती के आधुनिक तरीकों का सबसे पहले प्रयोग किया। किसानों ने ट्रैक्टर और फसल लगाने के लिये मशीनें खरीदीं जिसने काम को तेज़ कर दिया। इससे उन्हें गेहूँ की ज़्यादा पैदावार प्राप्त हुई।

2. संसाधन के रूप में लोग

1. मानव पूंजी के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-

1. मानव पूंजी में निवेश, भौतिक पूंजी की ही भाँति प्रतिफल प्रदान करता है।
2. जब शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं के द्वारा मानव संसाधन को विकसित किया जाता है तब इसे मानव पूंजी निर्माण कहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

मानव पूंजी में निवेश (शिक्षा, प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा के द्वारा) भौतिक पूंजी की ही भाँति प्रतिफल प्रदान करता है। अधिक शिक्षित या बेहतर प्रशिक्षित लोगों की उच्च उत्पादकता के कारण होने वाली अधिक आय और साथ ही अधिक स्वस्थ लोगों की उच्च उत्पादकता के रूप में इसे प्रत्यक्ष तौर पर देखा जा सकता है।

जब शिक्षा, चिकित्सा सेवाओं और प्रशिक्षण में निवेश किया जाता है तो जनसंख्या मानव पूंजी में बदल जाती है। परंतु जब इस शिक्षित तथा स्वस्थ जनसंख्या को शिक्षा तथा स्वास्थ्य द्वारा पहले की अपेक्षा और अधिक विकसित किया जाता हैं, तब हम इसे मानव पूंजी निर्माण कहते हैं।

2. आर्थिक क्रियाकलापों के अंतर्गत द्वितीयक क्षेत्र में सम्मिलित है-

(a) विनिर्माण (b) पशुपालन
(c) उत्खनन (d) वानिकी

उत्तर : (a)

व्याख्या : विभिन्न आर्थिक क्रियाकलापों को तीन प्रमुख क्षेत्रों प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक में वर्गीकृत किया जाता है-

- प्राथमिक क्षेत्र के अंतर्गत कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन और खनन एवं उत्खनन शामिल हैं।
- द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण को शामिल किया जाता है।
- तृतीयक क्षेत्र में सेवाओं को सम्मिलित किया गया है।

3. आर्थिक क्रियाकलाप के अंतर्गत तृतीयक क्षेत्रक में सम्मिलित हैं-

1. बैंकिंग 2. शिक्षा
3. स्वास्थ्य 4. संचार

कूट:

(a) केवल 1, 3 और 4 (b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर : (d)

व्याख्या : आर्थिक क्रियाकलाप के अंतर्गत तृतीयक क्षेत्र में व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिंग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन इत्यादि सेवाएँ शामिल की जाती हैं।

4. नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये-

1. वह क्रियाएँ, जो वेतन या लाभ के उद्देश्य से की जाती हैं और उनके लिये पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है बाज़ार क्रियाएँ कहलाती हैं।
2. जिन क्रियाओं में स्व-उपभोग के लिये उत्पादन होता है, वे गैर-बाज़ार क्रिया के अंतर्गत आती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

बाज़ार क्रियाओं में वेतन या लाभ के उद्देश्य से की गई क्रियाओं के लिये पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है। इनमें सरकारी सेवा सहित वस्तु या सेवाओं का उत्पादन शामिल है।

गैर-बाज़ार क्रियाओं से अभिप्राय स्व-उपभोग के लिये उत्पादन से है। इनमें प्राथमिक उत्पादों का उपभोग, प्रसंस्करण तथा अचल संपत्तियों का स्वलेखा उत्पादन आता है।

5. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

1. जनसंख्या की गुणवत्ता देश की संवृद्धि दर निर्धारित करती है।
2. निरक्षर और अस्वस्थ जनसंख्या अर्थव्यवस्था पर बोझ होती है।

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

जनसंख्या की गुणवत्ता साक्षरता दर, जीवन प्रत्याशा से निरूपित व्यक्तियों के स्वास्थ्य और देश के लोगों द्वारा प्राप्त कौशल निर्माण पर निर्भर करती है। अत: जनसंख्या की गुणवत्ता देश की संवृद्धि दर निर्धारित करती है। निरक्षर और अस्वस्थ जनसंख्या अर्थव्यवस्था पर बोझ होती है। जबकि साक्षर और स्वस्थ जनसंख्या परिसंपत्तियाँ होती है।

6. बेरोज़गारी उस समय विद्यमान कही जाती है, जब-

(a) किसी डिग्री धारक व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार वेतन और कार्य नहीं मिलता।
(b) किसी व्यक्ति को अपनी रुचि के अनुरूप काम नहीं मिलता।
(c) लोग प्रचलित मज़दूरी की दर से कम मज़दूरी पर कार्य करते हैं।
(d) प्रचलित मज़दूरी की दर पर काम करने के इच्छुक व्यक्ति को रोज़गार नहीं मिलता।

उत्तर : (d)

व्याख्या : बेरोज़गारी उस समय विद्यमान कही जाती है, जब प्रचलित मज़दूरी की दर पर काम करने के लिये इच्छुक लोगों को रोज़गार प्राप्त नहीं होता।

7. श्रम बल जनसंख्या में किस आयु वर्ग के लोगों को शामिल किया जाता है?

(a) 17 से 60 वर्ष (b) 15 से 59 वर्ष
(c) 19 से 59 वर्ष (d) 21 से 59 वर्ष

उत्तर : (b)

व्याख्या : श्रम बल जनसंख्या में वे लोग शामिल किये जाते हैं, जिनकी उम्र 15 वर्ष से 59 वर्ष के बीच है।

8. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'प्रच्छन्न बेरोज़गारी' की सर्वोत्तम व्याख्या करता है?

(a) जब लोग बड़ी मात्रा में बेरोज़गार रहते हैं।
(b) जब 60 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों में बेरोज़गारी होती है।
(c) गृहणियों में बेरोज़गारी का होना।
(d) जिस कार्य को कम व्यक्ति कर सकते हैं उसको अधिक व्यक्तियों द्वारा करना, परंतु उत्पादकता में कोई वृद्धि न होना।

आर्थिक विकास की समझ

1. विकास

1. किसी भी राष्ट्र की औसत आय/प्रति व्यक्ति आय की गणना निम्नलिखित में से किस प्रकार की जा सकती है?

(a) जिन व्यक्तियों की वार्षिक आय ₹1 लाख है, उनकी कुल आय को कुल जनसंख्या से गुणा करके।

(b) देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर।

(c) सरकार द्वारा प्राप्त कुल कर की राशि को कुल जनसंख्या से भाग देकर।

(d) गरीबी रेखा से ऊपर के लोगों की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर।

उत्तर : (b)
व्याख्या : किसी भी देश की आय उस देश के सभी निवासियों की आय है। लेकिन देशों के बीच तुलना करने के लिये कुल आय इतना उपयुक्त माप नहीं है। क्योंकि हर देश की जनसंख्या अलग-अलग होती है। क्या एक देश के लोग दूसरे देश के लोगों से बेहतर हैं? वस्तुत: इसके लिये हम औसत आय की तुलना करते हैं। औसत आय देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देकर निकाली जाती है। औसत आय को प्रतिव्यक्ति आय भी कहा जाता है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. किसी वर्ष में प्रति 100 जीवित शिशुओं पर उसी वर्ष मृत शिशुओं की संख्या को शिशु मृत्यु दर कहते हैं।
2. किसी क्षेत्र विशेष में 1 वर्ष में प्रति 1000 जीवित जन्मे शिशुओं की संख्या के अनुपात में 1 वर्ष या उससे कम उम्र वाले मृत शिशुओं की संख्या को शिशु मृत्यु दर कहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)
व्याख्या : शिशु मृत्यु दर किसी वर्ष में पैदा हुए 1000 जीवित बच्चों में से एक वर्ष की आयु से पहले मर जाने वाले बच्चों का अनुपात दर्शाती है।

3. निम्नलिखित में से भारत के किस राज्य में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है?

(a) पश्चिम बंगाल (b) केरल
(c) महाराष्ट्र (d) तमिलनाडु

उत्तर : (b)
व्याख्या : केरल में शिशु मृत्यु दर सबसे कम है। (स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण, 2018–19 भाग-2)। केरल में शिशु मृत्यु दर कम इसलिये है, क्योंकि यहाँ स्वास्थ्य एवं शिक्षा की मौलिक सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

4. निम्नलिखित में से किस संस्था द्वारा 'मानव विकास रिपोर्ट' का प्रकाशन किया जाता है?

(a) विश्व बैंक

(b) विश्व आर्थिक मंच

(c) विश्व स्वास्थ्य संगठन

(d) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम

उत्तर : (d)
व्याख्या : संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा 1990 से मानव संसाधन के संपोषणीय एवं सृजनात्मक विकास के संबंध में एक रिपोर्ट पेश की जाती है, जिसे मानव विकास रिपोर्ट (Human Development Report) के नाम से जाना जाता है। यह रिपोर्ट मानव विकास स्तर के अनुसार सभी देशों की क्रमानुसार सूची उपलब्ध कराती है।

5. मानव विकास के मापन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. मानव विकास के मापन के संबंध में संसाधनों तक पहुँच को कार्यशक्ति के संदर्भ में मापा जाता है।
2. मानव विकास रिपोर्ट विभिन्न देशों के संदर्भ में उनकी रैंकिंग शैक्षिक स्तर, लोगों की स्वास्थ्य स्थिति तथा प्रति व्यक्ति आय के आधार पर तय करती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (d)
व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।
मानव विकास के सूचकों में लोगों की संसाधनों तक पहुँच को क्रय शक्ति (अमेरिकी डॉलर में) के संदर्भ में मापा जाता है।
यूएनडीपी द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट, देशों की तुलना लोगों के शैक्षिक स्तर, उनकी स्वास्थ्य स्थिति और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर करती है। इन्हीं क्षेत्रों की उपलब्धियों के आधार पर ही मानव विकास सूचकांक विभिन्न देशों में मानव विकास प्राप्तियों का मापन करता है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा किसी देश की आर्थिक संवृद्धि का सबसे उपयुक्त मापदंड है?

(a) साक्षरता दर (b) शिशु मृत्यु दर
(c) प्रति व्यक्ति आय (d) सकल घरेलू उत्पाद

उत्तर : (c)
व्याख्या: किसी देश की संवृद्धि को मापने का सबसे उपयुक्त मापदंड उसकी प्रति व्यक्ति आय है। जिन देशों की प्रति व्यक्ति आय अधिक होती है उन्हें कम प्रति व्यक्ति आय वाले देशों की तुलना में विकसित समझा जाता है।

2. भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. जिस क्षेत्र में किसी वस्तु का उत्पादन सीधा प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किया जाता है उसे प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता है।
2. वे गतिविधियाँ, जिनमें प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के ज़रिये अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है द्वितीयक क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

जब हम प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं तो इसे प्राथमिक क्षेत्रक की गतिविधि कहा जाता है। क्योंकि यह उन सभी उत्पादों का आधार है जिन्हें हम क्रमशः निर्मित करते हैं। चूँकि हम अधिकांश प्राकृतिक उत्पाद कृषि, डेयरी, मत्स्यन और वनों से प्राप्त करते हैं इसलिये इस क्षेत्रक को कृषि एवं सहायक क्षेत्र भी कहा जाता है। द्वितीयक क्षेत्र की गतिविधियों के अंतर्गत प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के ज़रिये अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। यह प्राथमिक क्षेत्रक के बाद अगला कदम है। यहाँ वस्तु सीधे प्रकृति से उत्पादित नहीं होती है, बल्कि निर्मित की जाती है। यह प्रक्रिया किसी कारखाने, किसी कार्यशाला या घर में हो सकती है।

2. नीचे दिये गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िये-

1. तृतीयक क्षेत्रक की गतिविधियाँ उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग नहीं करतीं, बल्कि स्वतः ही वस्तुओं का उत्पादन करती हैं।
2. द्वितीयक क्षेत्रक को 'सेवा क्षेत्र' भी कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से असत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन असत्य हैं।

तृतीयक क्षेत्रक की आर्थिक गतिविधियाँ स्वतः वस्तुओं का उत्पादन नहीं करतीं, बल्कि उत्पादन प्रक्रिया में सहयोग या मदद करती हैं, जैसे- प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रक द्वारा उत्पादित वस्तुओं को थोक एवं खुदरा विक्रेताओं को बेचने के लिये ट्रकों एवं ट्रेनों द्वारा परिवहन करने की ज़रूरत पड़ती है। परिवहन, भंडारण, संचार, बैंक सेवाएँ तृतीयक गतिविधियों के कुछ उदाहरण हैं। चूँकि ये गतिविधियाँ वस्तुओं की बजाय सेवाओं का सृजन करती हैं, इसलिये तृतीयक क्षेत्रक को सेवा क्षेत्र भी कहा जाता है।

3. नीचे दिये गए कथनों में से कौन-सा कथन 'सकल घरेलू उत्पाद' की सही तरीके से व्याख्या करता है?

(a) किसी विशेष वर्ष में देश के करदाता नागरिकों द्वारा उत्पादित सभी मध्यवर्ती वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य।
(b) किसी विशेष वर्ष में देश के नागरिकों द्वारा देश के भीतर एवं बाहर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य।
(c) किसी विशेष वर्ष में देश के भीतर उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य।
(d) किसी विशेष वर्ष में देश के गरीबी रेखा से ऊपर के नागरिकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य।

उत्तर : (c)

व्याख्या : तीनों क्षेत्रकों के उत्पादनों के योगफल को देश का सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं। यह किसी देश के भीतर किसी विशेष वर्ष में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य है। सकल घरेलू उत्पाद (GDP) अर्थव्यवस्था की विशालता को प्रदर्शित करता है।

4. नीचे दिये गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िये-

1. भारत में लोगों को सबसे अधिक रोज़गार प्राथमिक क्षेत्रक के अंतर्गत प्राप्त होता है।
2. भारत की जी.डी.पी. में सबसे अधिक योगदान तृतीयक क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक योगदान तृतीयक क्षेत्रक का है तथा सबसे कम योगदान प्राथमिक क्षेत्रक का है, किंतु फिर भी भारत में सबसे अधिक नियोक्ता प्राथमिक क्षेत्र में लगे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि अभी द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रक में रोज़गार के पर्याप्त अवसरों का सृजन नहीं हुआ है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

1. विकसित देशों की अर्थव्यवस्था में अधिकांश श्रमजीवी लोग सेवा क्षेत्रक में ही नियोजित हैं।
2. प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र का विकास जितना अधिक होगा तृतीयक क्षेत्र का विकास भी उतना ही अधिक होगा।

कूट:

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

विकसित देशों की अर्थव्यवस्था में सामान्य लक्षण यह दिखाई देता है कि वहाँ के अधिकांश श्रमजीवी लोग सेवा क्षेत्र में नियोजित होते हैं।

कृषि खनन एवं उद्योग के विकास से परिवहन व्यापार एवं भंडारण जैसी सेवाओं का विकास होता है। अतः प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र का विकास जितना अधिक होगा, सेवाओं की मांग भी उतनी ही अधिक होगी, जिस कारण तृतीयक क्षेत्रक के विकास में भी वृद्धि होगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास

कक्षा XI

इकाई-I : विकास नीतियाँ और अनुभव (1947-90)

1. स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर भारतीय अर्थव्यवस्था

1. औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत भारत में आर्थिक विकास के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इस काल में देश में विनिर्माण गतिविधियों की चर्चा नहीं मिलती है।
2. इस काल में इंग्लैंड ने भारत को मात्र कच्चे माल का आपूर्तिकर्त्ता बनाए रखा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या : औपनिवेशिक काल में देश की अर्थव्यवस्था में विभिन्न प्रकार की विनिर्माण संबंधी गतिविधियाँ हो रही थीं। सूती व रेशमी वस्त्रों, धातु आधारित तथा बहुमूल्य मणि-रत्न आदि से जुड़ी शिल्पकलाओं के केंद्र के रूप में भारत विश्व भर में विख्यात हो चुका था। अत: कथन 1 सत्य नहीं है।

औपनिवेशिक शासकों की आर्थिक नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था के मूल रूप को ही बदल डाला। अब भारत, इंग्लैंड को कच्चे माल की आपूर्ति करने वाला देश बन कर रह गया था। अत: कथन 2 सत्य है।

2. नीचे दिये गए कथनों को ध्यानपूर्वक पढ़िये-

1. औपनिवेशिक शासकों की आर्थिक नीतियाँ शासित देश और वहाँ के लोगों के आर्थिक हितों के संरक्षण और संवर्धन से प्रेरित थीं।
2. अंग्रेज़ी शासन की स्थापना से पूर्व भारत एक स्वतंत्र अर्थव्यवस्था था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

व्याख्या : औपनिवेशिक शासकों की आर्थिक नीतियाँ शासित देश और वहाँ के लोगों के आर्थिक विकास से नहीं बल्कि इंग्लैंड के आर्थिक हितों के संरक्षण और संवर्धन से प्रेरित थीं। उदाहरणस्वरूप, बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में भारत की राष्ट्रीय आय की वार्षिक संवृद्धि दर 2 प्रतिशत से कम थी जबकि प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि दर मात्र आधा प्रतिशत ही थी। अत: कथन 1 गलत है।

अंग्रेज़ी शासन की स्थापना से पूर्व भारत की अपनी स्वतंत्र अर्थव्यवस्था थी, परंतु औपनिवेशिक शासन द्वारा अपनाई गई नीतियों ने भारत की अर्थव्यवस्था के मूल रूप को बदल कर रख दिया। अत: कथन 2 सही है।

3. ब्रिटिश शासन के अंतर्गत 'कृषि की दशा' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इस काल में कृषि उत्पादन में वृद्धि देखी गई।
2. कृषि का व्यवसायीकरण नहीं हुआ था।
3. इस काल में कृषि उत्पादकता कम रही।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (c)

व्याख्या : इस काल में भारत मूलत: कृषि आधारित अर्थव्यवस्था बना रहा कृषि अधीन क्षेत्र के प्रसार के कारण कुल कृषि उत्पादन में वृद्धि देखी गई। अत: कथन 1 सत्य है।

इस काल में देश के कुछ क्षेत्रों में कृषि के व्यवसायीकरण के कारण नगदी फसलों की उच्च उत्पादकता के लाभ किसानों को नहीं मिल पाते थे परंतु व्यवसायीकरण हो रहा था। अत: कथन 2 सत्य नहीं है।

इस काल में कृषि उत्पादकता में कमी निरंतर आती रही। इसकी वजह भू-व्यवस्था प्रणालियों को माना जा सकता है, जो पूरे बंगाल प्रेसीडेंसी में लागू थी। यह एक ज़मींदारी व्यवस्था थी। अत: कथन 3 सत्य है।

4. औपनिवेशिक शासन के अंतर्गत कृषि के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनकाल में कृषि क्षेत्र में वृद्धि के कारण कुल कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई।
2. इस काल के अंतर्गत भारत मूलत: एक कृषि अर्थव्यवस्था से एक औद्योगिक अर्थव्यवस्था में बदल गया।
3. इस काल में एक बड़ी जनसंख्या का व्यवसाय होने के बाद भी कृषि क्षेत्र में गतिहीन विकास की प्रक्रिया चलती रही।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (a)

व्याख्या : ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनकाल के अंतर्गत कृषि क्षेत्र में वृद्धि के कारण कुल कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई। परंतु कृषि उत्पादकता में कमी आती रही। कृषि क्षेत्रक की गतिहीनता का मुख्य कारण औपनिवेशिक शासन द्वारा लागू की गई भू-राजस्व प्रणालियों को ही माना जा सकता है। अत: कथन 1 और 3 सही हैं।

ब्रिटिश औपनिवेशिक शासनकाल के अंतर्गत भारत मूलत: एक कृषि अर्थव्यवस्था ही बना रहा। देश की 85 प्रतिशत जनसंख्या गाँवों में बसी थी और प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से आजीविका के लिये कृषि पर निर्भर थी। अत: कथन 2 गलत है।

5. कथन (A): ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भारत का वि-औद्योगीकरण हुआ।

कारण (R): इंग्लैंड के उद्योगों के उत्पादन हेतु भारत कच्चे माल का आपूर्तिकर्त्ता बन गया था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिये-

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर : (a)

व्याख्या : ब्रिटिश शासकों ने भारत का वि-औद्योगीकरण किया, जिसमें उनका दोहरा उद्देश्य छिपा हुआ था। एक तो वे भारत को इंग्लैंड में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगों के लिये कच्चे माल का निर्यातक बनाना चाहते थे। दूसरे वे उन उद्योगों के उत्पादन के लिये भारत को ही एक विशाल बाज़ार भी बनाना चाहते थे।

6. ब्रिटिश शासन के अंतर्गत वि-औद्योगीकरण के पीछे औपनिवेशिक शासकों के उद्देश्यों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. उनका उद्देश्य इंग्लैंड में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगों के उत्पादन के लिये भारत को ही एक विशाल बाज़ार बनाना था।
2. ब्रिटिश शासकों का मुख्य उद्देश्य भारत को इंग्लैंड में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगों के लिये कच्चे माल का निर्यातक बनाना था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)

व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं। भारत के औद्योगिक क्षेत्र में यद्यपि उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध और बीसवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में कुछ आधुनिक उद्योगों की स्थापना हुई परंतु भारत में भावी औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करने हेतु पूंजीगत उद्योगों का प्राय: अभाव ही बना रहा। पूंजीगत उद्योग वे होते हैं, जो तात्कालिक उपभोग में काम आने वाली वस्तुओं के उत्पादन के लिये मशीनों तथा कलपुर्ज़ों का निर्माण करते हैं। भारत में हो रहे वि-औद्योगीकरण के पीछे विदेशी अथवा औपनिवेशिक शासकों का दोहरा उद्देश्य था। एक तो वे भारत को इंग्लैंड में विकसित हो रहे आधुनिक उद्योगों के लिये कच्चे माल का निर्यातक बनाना चाहते थे, दूसरे वे इंग्लैंड में विकसित हो रहे उन्हीं आधुनिक उद्योगों के उत्पादन के लिये भारत को ही एक विशाल बाज़ार भी बनाना चाहते थे। इस प्रकार उन उद्योगों के प्रसार के सहारे वे अपने देश के लिये अधिकतम लाभ सुनिश्चित करना चाहते थे।

7. ब्रिटिश शासन के अंतर्गत भारत की जनांकिकीय परिस्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. निम्न सकल मृत्यु दर 2. उच्च शिशु मृत्यु दर
3. निम्न जीवन प्रत्याशा

उपर्युक्त परिस्थितियों में से कौन-सी ब्रिटिश शासनकाल से संबंधित हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (b)

व्याख्या : ब्रिटिश शासन के अंतर्गत जनांकिकीय परिस्थिति में सकल मृत्यु दर बहुत ऊँची थी साथ ही शिशु मृत्यु दर भी उच्च थी तथा जीवन प्रत्याशा का स्तर निम्न था।

- **मृत्यु दर:** एक विशिष्ट जनसंख्या या क्षेत्र के लिये एक हज़ार लोगों की संख्या की एक विशिष्ट अवधि (1 वर्ष) के दौरान होने वाली मृत्यु को 'मृत्यु दर' कहते हैं।
- **शिशु मृत्यु दर:** प्रति एक हज़ार जीवित जन्मे शिशुओं में से एक वर्ष या इससे कम उम्र में मर जाने वाले शिशुओं की संख्या को 'शिशु मृत्यु दर' कहते हैं।
- **जीवन प्रत्याशा:** एक दी गई उम्र के बाद जीवन के शेष बचे वर्षों की औसत संख्या को 'जीवन प्रत्याशा' कहते हैं।

8. औपनिवेशिक शासनकाल में विदेशी व्यापार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इस काल में भारतीय निर्यात में निर्यात का आकार आयात के आकार से बड़ा बना रहा।
2. औपनिवेशिक काल में निर्यात अधिशेष का देश में सोने और चांदी के प्रवाह पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा।
3. ब्रिटिश सरकार द्वारा अपनाई गई वस्तु उत्पादन, व्यापार तथा सीमा शुल्क की प्रतिबंधकारी नीतियों का भारत के विदेशी व्यापार की संरचना, स्वरूप और आकार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर : (d)

व्याख्या : उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

ब्रिटिश काल में भारतीय आयात- निर्यात में निर्यात का आकार आयात के आकार से बड़ा बना रहा अर्थात् निर्यात अधिशेष की स्थिति बनी रही, परंतु इस अधिशेष से भारतीय अर्थव्यवस्था को भारी हानि हुई। इससे देश में सोने और चांदी के प्रवाह पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। असल में इसका प्रयोग तो अंग्रेज़ों की भारत पर शासन करने के लिये गढ़ी गई व्यवस्था का खर्च उठाने में हो जाता था। औपनिवेशिक सरकार द्वारा अपनाई गई वस्तु उत्पादन, व्यापार और सीमा शुल्क की प्रतिबंधकारी नीतियों का भारत के विदेशी व्यापार की संरचना, स्वरूप और आकार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। जिसके कारण भारत कच्चे उत्पाद जैसे रेशम, कपास, ऊन, नील और पटसन आदि का निर्यातक होकर रह गया साथ ही यह सूती, रेशमी, ऊनी वस्त्रों जैसी अंतिम उपभोक्ता वस्तुओं और इंग्लैंड के कारखानों में बनी हल्की मशीनों आदि का आयातक भी बन गया।

समष्टि अर्थशास्त्र : एक परिचय

1. परिचय

1. समष्टि अर्थशास्त्र में 'आर्थिक एजेंट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. व्यक्ति अथवा संस्थाएँ जो आर्थिक निर्णय लेते हैं आर्थिक एजेंट कहलाते हैं।
2. आर्थिक एजेंट के अंतर्गत सरकार, निगम, बैंक जैसी संस्थाएँ भी शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।
आर्थिक इकाई अथवा आर्थिक एजेंट से तात्पर्य उन व्यक्तियों अथवा संस्थाओं से है जो आर्थिक निर्णय लेते हैं। वे उपभोक्ता हो सकते हैं जो यह निर्णय लेते हैं कि 'क्या' और 'कितना' उपभोग करना है। वे वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादक भी हो सकते हैं जो यह निर्णय लेते है कि 'क्या' उत्पादन करना है और 'कितना' करना है। वे सरकार, निगम, बैंक जैसी संस्थाएँ भी हो सकती हैं जो विभिन्न प्रकार के आर्थिक निर्णय लेते हैं जैसे कितना खर्च करना है, साख पर कितना ब्याज दर लेना है, कितना कर लगाना है।

2. 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' पुस्तक के लेखक निम्नलिखित में से कौन हैं?

(a) जॉन मेनार्ड कीन्स
(b) एडम स्मिथ
(c) अमर्त्य सेन
(d) पॉल सैमुअल्सन

उत्तर : (a)
व्याख्या : समष्टि अर्थशास्त्र का एक अलग शाखा के रूप में उद्भव ब्रिटिश अर्थशास्त्री 'जॉन मेनार्ड कीन्स' की प्रसिद्ध पुस्तक 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी' के 1936 ई. में प्रकाशित होने के बाद हुआ।

3. वैश्विक आर्थिक महामंदी का दौर शुरू हुआ था-

(a) 1923 में (b) 1928 में
(c) 1929 में (d) 1920 में

उत्तर : (c)
व्याख्या : वैश्विक आर्थिक महामंदी का दौर वर्ष 1929 में शुरू हुआ था। 1929 की महामंदी और उसके बाद के वर्षों में यह देखा गया कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्गत और रोज़गार के स्तरों में भारी गिरावट आई।

4. निम्नलिखित में से किसे समष्टि अर्थशास्त्र का जनक माना जाता है?

(a) एडम स्मिथ (b) कार्ल मार्क्स
(c) अल्फ्रेड मार्शल (d) जे. एम. कीन्स

उत्तर : (d)
व्याख्या : समष्टि अर्थशास्त्र का जनक ब्रिटिश अर्थशास्त्री 'जॉन मेनार्ड कीन्स' को माना जाता है।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में रोज़गार के स्तरों में भारी गिरावट
2. कारखानों का बंद होना
3. बेरोज़गारी में वृद्धि
4. अमेरिका के समस्त निर्गत में 33 प्रतिशत की गिरावट

उपर्युक्त में से कौन-सा/से वर्ष 1929 की महामंदी का/के प्रभाव है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1, 3 और 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : वर्ष 1929 की महामंदी और उसके बाद के वर्षों में देखा गया कि यूरोप और उत्तरी अमेरिका के देशों में निर्गत और रोज़गार के स्तरों में भारी गिरावट आई। इसका प्रभाव दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ा। बाज़ार में वस्तुओं की मांग कम थी और कई कारखाने बेकार पड़े थे, श्रमिकों को काम से निकाल दिया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में 1929 से 1933 तक बेरोज़गारी की दर 3 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो गई। उस अवधि के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका में समस्त निर्गत (Aggregate Output) में लगभग 33 प्रतिशत की गिरावट आई।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'बेरोज़गारी दर' को परिभाषित करता है?

(a) लोगों की संख्या जो काम नहीं करती किंतु काम की इच्छुक है।
(b) लोगों की संख्या जो काम करती है लेकिन वेतन पर नहीं।
(c) लोगों की संख्या जो न्यूनतम वेतन पर मज़दूरी करती है।
(d) लोगों की संख्या जो काम करने के इच्छुक है किंतु काम नहीं करते है, में इच्छुक लोगों की कुल संख्या जो काम करते हैं, को भाग देकर प्राप्त किया जाता है।

उत्तर : (d)
व्याख्या : बेरोज़गारी की दर की परिभाषा इस प्रकार की जा सकती है कि लोगों की संख्या जो काम करने के लिये इच्छुक हैं किंतु काम नहीं करते हैं, में लोगों की कुल संख्या जो काम करने के इच्छुक हैं और काम करते हैं, से भाग देकर जो भागफल प्राप्त होता है।

7. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को निम्नलिखित में से किस अन्य नाम से भी जाना जाता है?

(a) सार्वजनिक अर्थव्यवस्था (b) बाज़ार अर्थव्यवस्था
(c) मिश्रित अर्थव्यवस्था (d) समाजवादी अर्थव्यवस्था

उत्तर : (b)
व्याख्या : पूंजीवादी अर्थव्यवस्था को बाज़ार अर्थव्यवस्था के नाम से भी जाना जाता है।

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. पूंजीवादी देश में उत्पादन क्रियाकलाप मुख्य रूप से पूंजीवादी उद्यमियों द्वारा किया जाता है।
2. पूंजीवादी उद्यमी को उत्पादन के संचालन के लिये प्राकृतिक संसाधनों की भी आवश्यकता पड़ती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (c)
व्याख्या : उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।
पूंजीवादी देश में उत्पादन क्रियाकलाप मुख्य रूप से पूंजीवादी उद्यमियों के द्वारा किये जाते हैं। किसी विशिष्ट पूंजीवादी उद्यम में एक या अनेक उद्यमी होते हैं। वे उद्यम को चलाने के लिये स्वयं पूंजी की पूर्ति करते हैं या वे पूंजी उधार लेते हैं। उत्पादन के संचालन के लिये उन्हें प्राकृतिक संसाधनों की भी आवश्यकता पड़ती है। इनमें से कुछ संसाधनों का उपयोग उत्पादन प्रक्रिया में होता है (जैसे-कच्चा माल) तथा कुछ का स्थायी पूंजी के रूप में रहता है (जैसे-भूखंड)।

9. पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में 'निवेश व्यय' (इन्वेस्टमेंट एक्सपेंडिचर) है?

(a) उत्पादन क्षमता में वृद्धि लाने के लिये जो व्यय किया जाता है
(b) उत्पादन के स्तर को कम करने के लिये उद्यमी द्वारा शेष संप्राप्ति का प्रयोग
(c) उद्यमी द्वारा प्राकृतिक संसाधनों को खरीदने के लिये शेष संप्राप्ति का प्रयोग
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (a)
व्याख्या : पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में उद्यमी द्वारा उद्यम को चलाने के लिये प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग भूखंड और कच्चे माल के रूप में किया जाता है। उत्पादन के संचालन के लिये उन्हें मानव श्रम की आवश्यकता होती है। भूमि, श्रम, पूंजी की सहायता से निर्गत का उत्पादन करने के बाद उद्यमी उत्पाद को बाज़ार में बेच देता है इससे प्राप्त मुद्रा को संप्राप्ति कहते हैं। उद्यमी संप्राप्ति का प्रयोग मशीन खरीदने और नए कारखाने लगाने के लिये करते हैं ताकि उत्पादन का विस्तार हो। उत्पादन क्षमता में वृद्धि लाने के लिये जो व्यय किया जाता है, उसे 'निवेश व्यय' कहते हैं।

10. निम्नलिखित में से कौन-सा/से समष्टि अर्थशास्त्र का/के क्षेत्रक माना जाता/माने जाते है/हैं?

1. परिवार 2. फर्म
3. सरकार 4. बाह्य क्षेत्रक

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर : (d)
व्याख्या : समष्टि अर्थशास्त्र में अर्थव्यवस्था को परिवार, फर्म, सरकार और बाह्य क्षेत्रक इन चार क्षेत्रकों के रूप में देखा जाता है।

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. जब कोई देश अपनी घरेलू वस्तु विश्व के अन्य देशों में बेचता है, तो उसे निर्यात कहते हैं।
2. जब कोई देश विदेशों में पूंजी का निर्यात करता है तो इसे पूंजी प्रवाह कहते हैं।
3. कोई देश जब विश्व के अन्य देशों से वस्तुएँ खरीदता है तो उसे आयात कहते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

उत्तर : (d)
व्याख्या : विश्व के लगभग सभी देश बाह्य व्यापार करते हैं। बाह्य क्षेत्र से व्यापार तीन प्रकार से हो सकता है-

(i) **आयात :** कोई देश जब विश्व के अन्य देशों से वस्तुएँ खरीदता है, तो इसे आयात कहते हैं।
(ii) **निर्यात :** जब कोई देश अपनी घरेलू वस्तु विश्व के अन्य देशों में बेचता है, तो उसे निर्यात कहते हैं।
(iii) **पूंजी प्रवाह :** किसी देश की अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी का भी प्रवाह हो सकता है अथवा कोई देश विदेशों में भी पूंजी का निर्यात कर सकता है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सी पूंजीवादी फर्म की विशेषता/विशेषताएँ है/हैं?

1. बाज़ार के लिये उत्पादन
2. उत्पादन के कारकों का निजी स्वामित्व
3. पूंजी का निरंतर संचय

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 3
(c) 1, 2 और 3 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (c)
व्याख्या : जिस देश में अधिकांश उत्पादन पूंजीवादी फर्मों द्वारा किया जाता है उसे पूंजीवादी देश कहते हैं। वे फर्में जिनमें बाज़ार के लिये उत्पादन, उत्पादन के कारकों का निजी स्वामित्व, पूंजी का निरंतर संचय, एक दी गई कीमत, जिसे मज़दूरी की दर कहते हैं, पर श्रम का क्रय और विक्रय किया जाता है उन्हें पूंजीवादी फर्मों की विशेषताओं के अंतर्गत शामिल किया जाता है।

Think IAS | दृष्टि The Vision | Think Drishti

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आप घर बैठे 'दृष्टि' द्वारा तैयार परीक्षोपयोगी पाठ्य-सामग्री मंगवा सकते हैं। यह पाठ्य-सामग्री विशेष रूप से ऐसे अभ्यर्थियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जो दिल्ली आकर कक्षाएँ करने में असमर्थ हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल सेवा और राज्य सेवा (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ पी.सी.एस.) परीक्षाओं की पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। यह पाठ्य-सामग्री प्रत्येक परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप है और इसे विभिन्न समसामयिक घटनाओं, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं एवं समितियों की रिपोर्टों के माध्यम से अद्यतन (up-to-date) किया गया है।

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (UPPCS) के लिये

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(33 + 10 बुकलेट्स) (₹15,500/-)

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(33 बुकलेट्स) (₹14,000/-)

मध्य प्रदेश पी.सी.एस. (MPPCS) के लिये

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 + 8 बुकलेट्स) (₹11,000/-)

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 बुकलेट्स) (₹10,000/-)

उत्तराखंड पी.सी.एस. (UKPSC) के लिये

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 + 8 बुकलेट्स) (₹11,000/-)

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 बुकलेट्स) (₹10,000/-)

छत्तीसगढ़ पी.सी.एस. (CGPSC) के लिये

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(35 + 6 बुकलेट्स) (₹15,500/-)

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(35 बुकलेट्स) (₹14,000/-)

राजस्थान पी.सी.एस. (RAS/RTS) के लिये

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(34 बुकलेट्स) ₹10,500/-

बिहार पी.सी.एस. (BPSC) के लिये

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(25 बुकलेट्स) ₹10,000/-

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के लिये (हिंदी माध्यम में)

सामान्य अध्ययन
(प्रारंभिक परीक्षा)
(19 बुकलेट्स) ₹10,000/-

सामान्य अध्ययन
(मुख्य परीक्षा)
(26 बुकलेट्स) ₹13,000/-

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रारंभिक परीक्षा)
(27 बुकलेट्स) ₹13,000/-

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(31 बुकलेट्स) ₹15,000/-

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(39 बुकलेट्स) ₹17,500/-

इतिहास
(वैकल्पिक विषय)
(12 बुकलेट्स) ₹7,000/-

दर्शनशास्त्र
(वैकल्पिक विषय)
(4 बुकलेट्स) ₹5,000/-

हिन्दी साहित्य
(वैकल्पिक विषय)
(13 बुकलेट्स) ₹7,000/-

For UPSC CSE (in English Medium)

Self Learning Modules

Students may opt for following modules

Prelims (17 GS + 3 CSAT Booklets) ₹10000/-
Mains (16 GS Booklets) ₹11000/-
Prelims + Mains (32 GS + 3 CSAT Booklets) ₹15000/-

Offer: Free 6 months subscription of Drishti Current Affairs Today magazine with every module

For UPPCS Mains (in English Medium)

Self Learning Modules

19 GS + 1 Essay +
1 Compulsory Hindi Booklets
₹11000/-

Offer: Free 6 months subscription of Drishti Current Affairs Today magazine for comprehensive coverage of current affairs

विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें : 8448485520, 87501-87501, 011-47532596

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9
Ph.: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail: booksteam@groupdrishti.com

मूल्य : ₹ 150